दैनिक
# साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -149 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, मंगलवार, 19 मई, 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

## न्यूज ब्रीफ

### नीट पेपर लीक में 10वीं गिरफ्तारी, सीबीआई ने कोचिंग मालिक प्रोफेसर शिवराज को लातूर से पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी | सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में बड़ी कार्रवाई की है. जांच एजेंसी ने एक्शन लेते हुए कोचिंग संस्थान के मालिक को अरेस्ट किया है. सीबीआई ने प्रमुख आरोपी प्रोफेसर शिवराज मोटेगांवकर को अरेस्ट किया है. यह लातूर स्थित आरसीसी कोचिंग संस्थान के मालिक हैं. वे इस संस्थान का संचालन करते हैं. जो छात्रों को NEET UG परीक्षा की तैयारी कराता है. इसकी नौ ब्रांच हैं. इनमें मुख्य शाखा लातूर में है. वे एनटीए से जुड़े रसायन विज्ञान के व्याख्याता पी.वी. कुलकर्णी के करीबी हैं. उनके संस्थान और आवास पर तलाशी के दौरान रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र बरामद हुआ. इसमें 3 मई को आयोजित NEET परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के समान प्रश्न थे. इस मामले में अबतक 10 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है.

पिछले 24 घंटों में सीबीआई ने विभिन्न स्थानों पर 5 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया. कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए. जब्त की गई वस्तुओं की गहन जांच जारी है.

अबतक 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है - इस मामले में अब तक दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहिलियानगर से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है. इससे पहले 9 आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस हिरासत में लिया जा चुका है. उनसे पूछताछ जारी है. 10वें आरोपी को अदालत में पेश किया जा रहा है.

### वीडी सतीशन ने केरलम सीएम की ली शपथ

**नई दिल्ली, एजेंसी** | केरलम में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव को जीतने के बाद कांग्रेस पार्टी ने राज्य में सोमवार (18 मई, 2026) को अपनी सरकार बना ली है और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) गठबंधन की इस सरकार के मुखिया यानी केरलम के मुख्यमंत्री के रूप में वीडी सतीशन ने शपथ ग्रहण किया है. वहीं, AICC के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केरल के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद वीडी सतीशन को बधाई दी है. उन्होंने कहा है कि ये हम सभी के बहुत गर्व का क्षण है. कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'केरलम के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन और UDF सरकार के मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होना हम सभी के लिए बहुत गर्व का क्षण था. इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के साथ कांग्रेस और यूडीएफ परिवार के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे.' उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि यूडीएफ सरकार ने अपने पहले ही मंत्रिमंडल की बैठक में हमारी इंदिरा गारंटी और जनकल्याणकारी वादों को लागू करना शुरू कर दिया है.' उन्होंने कहा, 'चाहे महिलाओं के लिए KSRTC की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा हो, आशा, आंगनवाड़ी और अन्य सामाजिक कल्याण कर्मियों के मानदेय में बढ़ोत्तरी करना हो या वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए एक समर्पित विभाग की स्थापना जैसा दूरदर्शी कदम हो, हमने एक बार फिर साबित किया है कि हम जनता से किए गए अपने वादों पर पूरी मजबूती से कायम हैं.'

# चिकित्सा व्यवसाय नहीं, मानव सेवा का है माध्यम – मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**स्वास्थ्य विभाग एवं सेवांकुर भारत प्रकल्प के बीच हुआ एम.ओ.यू.**

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मरीज की चिकित्सा सिर्फ एक व्यवसाय नहीं, यह मानव सेवा का एक माध्यम है। हमें ऐसे चिकित्सक तैयार करने है, जो मानव सेवा और मरीज की सेवा के लिये तत्पर हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में आयोजित एक समझौता ज्ञापन बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की उपस्थिति में राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग तथा सेवांकुर भारत, डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान, छत्रपति संभाजी नगर (महाराष्ट्र) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर आदान-प्रदान किया गया। एमओयू की अवधि 5 वर्ष की है। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश को सेवा-प्रधान स्वास्थ्य नेतृत्व का मॉडल राज्य बनाना है। एमओयू का मुख्य लक्ष्य सेवा-प्रधान डॉक्टरों की ऐसी पीढ़ी तैयार करना है, जो व्यवसायिक ही नहीं, समाज में परिवर्तन के वाहक भी बनें। यह एमओयू अनुभव-आधारित शिक्षण व मूल्य-आधारित नेतृत्व विकास अर्थात् सेवा के जरिये सीखने के सिद्धांत पर आधारित है। इसमें 'एक सप्ताह देश के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, जिसमें लगभग 300 प्रतिभागियों को छत्रपति संभाजीनगर में गहन प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस कार्यक्रम के बाद निरंतर सहभागिता के लिए अनुभव साझा सत्र एवं व्यक्तित्व विकास शिविर भी आयोजित किये जायें। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल सहित सेवांकुर भारत प्रकल्प के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान की स्थापना वर्ष 1989 में समाज के प्रति समर्पित चिकित्सकों द्वारा की गई थी। विगत तीन दशकों में संस्था ने 70 लाख से अधिक वंचित एवं जरूरतमंद रोगियों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं करुणामय चिकित्सा सेवा प्रदान की है। संस्था का केंद्र बिंदु डॉ. हेडगेवार रुग्णालय, छत्रपती संभाजीनगर (औरंगाबाद) है, जो सेवाभाव, सादगी एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता के साथ आम जन तक उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिये प्रतिबद्ध है। वर्तमान में प्रतिष्ठान देशभर में 46 एकीकृत परियोजनाओं का संचालन कर रहा है, जिनमें संभाजीनगर, नासिक एवं शिवसागर (असम) के बहु-विशेषज्ञता अस्पताल, चिकित्सा, नर्सिंग एवं फिजियोथेरेपी महाविद्यालय, एशिया का अग्रणी अत्याधुनिक रक्तपेढी; तथा झुग्गी बस्ती एवं ग्रामीण स्वास्थ्य परियोजनाएँ सम्मिलित हैं। हृदय शल्य चिकित्सा, आईवीएफ, नवजात शिशु देखभाल, एमआरआई एवं कैथ लैब जैसी उन्नत सुविधाओं के साथ-साथ संस्था महिला एवं बाल विकास, टीकाकरण अभियान और जन स्वास्थ्य जागरूकता जैसे सामाजिक कार्यक्रमों में भी सक्रिय है।

### तेल के 'कुबेर' देश में दिखी पीएम मोदी की धमक, स्वागत के लिए नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने तोड़े सारे नियम

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | ओस्लो का वो एयरपोर्ट जहां 43 साल बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री कदम रख रहा है। लेकिन दुनिया देखती रह गई। प्रोटोकॉल तोड़कर नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर खुद एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का स्वागत करने पहुंचे। यह सिर्फ एक स्वागत नहीं है बल्कि दुनिया की उभरती शक्ति भारत का सम्मान है। यूएई हो, नीदरलैंड हो या फिर स्वीडन सबकी सफल यात्रा के बाद पीएम मोदी अब अपने पांच देशों के दौरे के चौथे पड़ाव यानी कि नॉर्वे पहुंच चुके हैं। 2 दिन की इस यात्रा में एजेंडा बहुत बड़ा है और डील उससे भी बड़ी है। दरअसल नॉर्वे यह वह देश है दोस्तों जिसे तेल और गैस का कुबेर कहा जाता है। जिस वक्त मिडिल ईस्ट और ईरान के तनाव से दुनिया में एनर्जी की कीमतें आसमान छू रही है। वहां नॉर्वे एक उम्मीद बनकर उभरा है। नॉर्वे के पास करीब 7 अरब बैरल का तेल भंडार है। तेल और गैस उत्पादन के वहां पर कुल 97 एक्टिव क्षेत्र हैं। अकेले 2026 में नौवे का तेल गैस राजस्व 78 बिलियन से ज्यादा होने का अनुमान है। जैसे कि रिपोर्ट में बताया गया।

व्यापार और अनुसंधान शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे और उम्मीद की जा रही है कि इस दौरे में 30 से ज्यादा बड़े समझौते हो सकते हैं। अब इसमें सबसे अहम है ग्रीन टेक्नोलॉजी और एलपीजी सप्लाई की डील।

### स्क्वाड्रन लीडर सान्या बनीं पहली महिला क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर

**नई दिल्ली, एजेंसी** | स्क्वाड्रन लीडर सान्या भारतीय वायु सेना में पहली ऐसी महिला अधिकारी बन गई हैं, जिन्होंने प्रतिष्ठित कैट-ए क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर (क्यूएफआई) की योग्यता हासिल की है। भारतीय वायु सेना ने कहा कि यह उपलब्धि एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है और उनकी मेहनत और समर्पण को दर्शाती है। यह सफलता बल के लिए गर्व का क्षण है और देशभर के बनने वाले पायलटों के लिए प्रेरणा है।

### भारत की पहली बुलेट ट्रेन की तस्वीर ने इंटरनेट पर लगाई आग, भगवा रंग में नजर आई रफ्तार की रानी

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | भारत की पहली बुलेट ट्रेन को लेकर लोगों का इंतजार अब और ज्यादा बढ़ गया है. सोशल मीडिया पर बुलेट ट्रेन की एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है जिसमें हाई-स्पीड ट्रेन भगवा और सफेद रंग के शानदार डिजाइन में नजर आ रही है. ट्रेन का futuristic लुक और तेज रफ्तार वाला डिजाइन लोगों का ध्यान खींच रहा है. तस्वीर सामने आते ही इंटरनेट पर लोग इसे "रफ्तार की रानी" कहने लगे हैं. दावा किया जा रहा है कि यही वो ट्रेन है जो भारत में बुलेट ट्रेन के तौर पर चलेगी।

# आंध्र प्रदेश में बच्चे पैदा करने पर अब पैसा देने का ऐलान, देश में छिड़ी नई बहस

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | एक समय परिवार नियोजन की वकालत करने वाले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अब अपना रुख बदलते हुए घोषणा की है कि उनकी सरकार तीसरे बच्चे के जन्म पर परिवारों को 30,000 रुपये और चौथे बच्चे के जन्म पर 40,000 रुपये का प्रोत्साहन देगी। इस फैसले की अन्य पार्टियों ने आलोचना की है। उन्होंने इसे केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के प्रयास से जोड़ा है और सवाल उठाया है कि राष्ट्रीय स्तर पर परिवार नियोजन नीति क्यों लागू नहीं की जा रही है। शनिवार को श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में एक कार्यक्रम में बोलते हुए नायडू ने कहा कि मैंने इस बारे में कई बार सोचा है। अतीत में मैंने परिवार नियोजन के लिए काम किया है। लेकिन आज एक बार फिर बच्चे हमारी संपत्ति हैं और हम सभी के लिए उनके हित में काम करना जरूरी हो गया है। तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख ने घोषणा की कि इसीलिए मैंने एक और फैसला लिया है। तीसरे बच्चे के जन्म के तुरंत बाद हम 30,000 रुपये देंगे। चौथे बच्चे के जन्म पर हम 40,000 रुपये देंगे।

नायडू कुछ समय से गिरती जन्म दर के बारे में बात कर रहे हैं और उन्होंने चेतावनी दी है कि भारत को दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों द्वारा की गई गलतियों को नहीं दोहराना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ती आय के कारण कुछ दंपत्तियाँ केवल एक ही संतान को जन्म दे रही हैं, जबकि अन्य दंपत्तियाँ दूसरी संतान तभी पैदा कर रही हैं जब पहली संतान बेटी हो।

### बस्तर में अमित शाह का नया मिशन, बोले- नक्सलियों का सफाया नहीं, विकास हमारा लक्ष्य है

• रायपुर, एजेंसी

रायपुर | केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नेतानार गांव में 'जन जन सुविधा केंद्र' मॉडल का उद्घाटन किया, जिससे 2013 से कार्यरत एक सुरक्षा चौकी को आधिकारिक तौर पर आदिवासी समुदाय के लिए एक समर्पित कल्याण और सेवा केंद्र में परिवर्तित कर दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, शाह ने इस शुभारंभ को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और नागरिकों को आश्वासन दिया कि नव स्थापित सुविधा अगले छह महीनों के भीतर स्थानीय जीवन का एक जीवंत और सक्रिय केंद्र बन जाएगी। गृह मंत्री ने कहा कि आज वास्तव में एक ऐतिहासिक दिन है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मात्र छह महीनों के भीतर, यह केंद्र, जो वर्तमान में केवल एक सरकारी पहल प्रतीत होता है, स्थानीय आदिवासियों की उपस्थिति और हंसी से जीवंत हो उठेगा। जिस भूमि पर मैं आज खड़ा हूं, वह स्वयं भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए एक पवित्र तीर्थ स्थल है। यह शहीद वीर गुंडा धुर की जन्मभूमि और कार्यक्षेत्र है। आज, उनसे प्रेरणा लेते हुए, नेतानार शिविर, जो 2013 से एक सुरक्षा चौकी के रूप में कार्य कर रहा है, को आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए समर्पित एक सेवा केंद्र में परिवर्तित किया जा रहा है। अमित शाह ने 'नियाद नेल्लानार' योजना के समग्र उद्देश्य पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प शहरी विकास, आवश्यक सुविधाओं और आरएसएस स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए एक सहयोगात्मक पुनर्वास कार्यक्रम पर केंद्रित है।

### सड़कों पर नमाज़ को लेकर सीएम योगी का 'शिफ्ट सिस्टम' प्लान

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नमाज़ नियमित रूप से अदा की जानी चाहिए और जनता की असुविधा से बचने के लिए ज़रूरत पड़ने पर इसे बारी-बारी से भी अदा किया जा सकता है। लखनऊ में एक जनसभा में इस मुद्दे को संबोधित करते हुए उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि प्रशासन पहले समझाने-बुझाने के ज़रिए ही लोगों को नमाज़ पढ़ने के लिए मनाएगा। उन्होंने आगे कहा कि आपको नमाज़ अदा करनी ही होगी, आप अपनी बारी में पढ़ सकते हैं हम आपको प्यार से मना लेंगे, अगर आप नहीं मानते हैं, तो हम कोई दूसरा तरीका अपनाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़कें आवागमन के लिए हैं और सड़कों पर नमाज़ पढ़कर यातायात अवरुद्ध करने के किसी भी व्यक्ति के अधिकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुझसे अक्सर पूछा जाता है कि क्या उत्तर प्रदेश में लोग सचमुच सड़कों पर नमाज़ नहीं पढ़ते हैं? मैं स्पष्ट रूप से कहता हूं कि ऐसा बिल्कुल नहीं होता – जाकर खुद देख लीजिए। सड़कें आवागमन के लिए हैं। क्या कोई भी चौराहे पर आकर तमाशा खड़ा कर यातायात अवरुद्ध कर सकता है? सार्वजनिक आवागमन में बाधा डालने का किसी को क्या अधिकार है?

मुख्यमंत्री योगी ने आगे कहा कि यदि आवश्यक हो तो बारी-बारी से नमाज़ पढ़ने की व्यवस्था की जा सकती है।

### पश्चिम बंगाल में महिलाओं की बल्ले-बल्ले, मुफ्त बस यात्रा और अन्नपूर्णा भंडार योजना का ऐलान

**पश्चिम बंगाल सरकार ने 1 जून से महिलाओं के लिए दो प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की है, जिसमें सभी सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा और अन्नपूर्णा भंडार योजना के तहत पात्र महिलाओं को 3,000 की मासिक वित्तीय सहायता शामिल है। इन पहलों का उद्देश्य राज्य में महिलाओं की गतिशीलता, सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी को सशक्त बनाना है।**

• कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता | पश्चिम बंगाल की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने सोमवार को कई महत्वपूर्ण पहलों की शुरुआत की, जो 1 जून से लागू होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य द्वारा संचालित बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा शुरू करने जा रही है, साथ ही सामाजिक और वित्तीय सहायता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई नागरिक-केंद्रित योजनाएं भी शुरू कर रही है। 1 जून से राज्य की सभी सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की अनुमति होगी। मंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य सभी जिलों में महिलाओं की आवागमन क्षमता, सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी में सुधार करना है।

सरकार ने अन्नपूर्णा भंडार योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को प्रति माह 3,000 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी। संविधान संशोधन अधिनियम (CAA) और न्यायाधिकरण प्रक्रियाओं के तहत आवेदन करने वाली महिलाओं को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा।

### नो-पार्किंग में खड़ी कार और एक पल की लापरवाही... ड्यूटी पर जा रही नर्स की दर्दनाक मौत

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | तेलंगाना के महबूबनगर शहर की व्यस्त मारलू सड़क पर सोमवार (18 मई) सुबह एक हादसे में 45 साल की स्टाफ नर्स प्रिसिला की जान चली गई. पीड़ित महिला, ज़िला मुख्यालय के सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मी थी, वे सुबह स्कूटी से ड्यूटी पर जा रही थीं, तभी रास्ते में एक कार का दरवाजा अचानक खुल गया, जिससे हादसा हो गया.

वह 'ब्राइट स्कूल' के पास से गुज़र रही थीं - जो उनके काम करने की जगह से महज़ कुछ सौ मीटर दूर था, तभी सड़क किनारे खड़ी एक कार का दरवाज़ा अचानक खुल गया और प्रिसिला की स्कूटी सीधे दरवाज़े से जा टकराई, और वह ज़ोर से सड़क पर जा गिरीं. इस टक्कर से उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं.

हादसे को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों ने क्या बताया - प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार कुछ ही देर पहले पार्क की गई थी, और अंदर बैठे व्यक्ति ने आने-जाने वाले ट्रैफिक को देखे बिना ही दरवाज़ा खोल दिया. दरवाज़ा पूरी तरह से स्कूटी के रास्ते में खुल गया, जिससे बचने का कोई रास्ता ही नहीं बचा. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी.

# कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक सम्पन्न

**रायसेन (निप्र)।** कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास की योजनाओं, अभियानों तथा गतिविधियों की संयुक्त समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। उन्होंने यूविन पोर्टल पर इन्ट्री, हाई रिस्क प्रेगनेंट वुमन का चिन्हांकन और पंजीयन, सीडीआर, पीएमपेएसवाय भुगतान, आयुष्मान भारत, टीबी मुक्त भारत अभियान सहित अन्य स्वास्थ्य अभियानों तथा टीकाकरण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा बीएमओ को निर्देश दिए गए कि हाई रिस्क प्रेगनेंट वुमन का चिन्हांकन कर सभी का पोर्टल पर शत-प्रतिशत पंजीयन किया जाए और

नियमित स्वास्थ्य जांच भी की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला के पंजीयन से प्रसव होने तक नियमित मॉनीटरिंग की जाए, जिससे गर्भवती माताओं के प्रसव हेतु कोई परेशानी न हो। उन्होंने सभी बीएमओ को अपने-अपने विकासखण्ड में नियमित समीक्षा और प्रभावी मॉनीटरिंग के निर्देश दिए और सभी एएनसी जांच की समीक्षा के लिए भी कहा। इसी प्रकार सीडीआर रिपोर्टिंग की भी समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने पीएसवाय भुगतान की समीक्षा के दौरान विकासखण्डवार लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए दो से तीन महीने की अवधि में भी भुगतान नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त कर सभी बीएमओ को निर्देशित किया भुगतान की कार्यवाही प्राथमिकता से की जाए।

इसी प्रकार आयुष्मान भारत योजना की विगत दो सप्ताह की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार टीबी मुक्त भारत अभियान की भी समीक्षा करते हुए प्रतिदिन स्क्रीनिंग, जांच, नियमित उपचार और जागरूकता गतिविधियों की जानकारी ली गई। बैठक में मलेरिया के प्रति जनजागरूकता फैलाने के संबंध में भी सभी बीएमओ को निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की भी समीक्षा करते हुए सीएमएचओ, सिविल सर्जन और बीएमओ को सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री द्वारा स्वास्थ्य अभियानों तथा योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया गया।

इसी प्रकार महिला बाल विकास विभाग की गतिविधियों और योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नया सत्र वर्ष 2026-27 प्रारंभ हो चुका है। जिसमें प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी हितग्राही योजना का लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत पंजीयन कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने आंगनबाड़ी में बच्चों शत-प्रतिशत उपस्थिति, टीएचआर वितरण समय पर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि एनआरसी पूरी क्षमता के साथ संचालित रहें, इसके लिए सीडीपीओ, सुपरवाइजर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि जिले में विगत महीनों में अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य सुधार में बेहतर कार्य हुआ है, लेकिन कुछ दिनों से संयुक्त भ्रमण नहीं होने से कार्यगति धीमी हुई है। उन्होंने कहा कि जो बच्चे कुपोषण की श्रेणी से बाहर आए हैं, उन सभी का सत्यापन कराएं। इसी प्रकार मातृ वंदना योजना में भी नवीन लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए।

## संक्षिप्त समाचार

### जिले में मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के प्रेक्षण हेतु सेवानिवृत्त आईएएस श्री शशिभूषण सिंह प्रेक्षक नियुक्त

**रायसेन (निप्र)।** मप्र राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की कार्यवाही के प्रेक्षण हेतु जिला रायसेन के लिए श्री शशि भूषण सिंह सेवानिवृत्त आईएएस को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यक्रमानुसार नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का पुनरीक्षण के पर्यवेक्षण हेतु प्रेक्षक श्री शशि भूषण सिंह दिनांक 22 मई से 26 मई 2026 के मध्य जिले में भ्रमण पर रहेंगे।

### फोटोयुक्त मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन के संबंध में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

**रायसेन (निप्र)।** नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का पुनरीक्षण-2026 के संबंध में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज उपाध्याय ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि शुक्रवार को नगरीय निकायों एवं पंचायत की फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन संबंधित विहित स्थलों पर किया गया है। उन्होंने कहा कि राजनैतिक दल बीएलए नियुक्त कर मतदाता सूची पुनरीक्षण में सहयोग करें। मतदाता सूची पुनरीक्षण हेतु दावे-आपत्तियां प्राप्त करना प्रारंभ हो गया है। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रारूप मतदाता सूची की प्रतियां निःशुल्क प्रदाय की गई।

### मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक पाथाखेड़ा में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 690 मरीजों का किया उपचार

**बैतूल (निप्र)।** जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से जिले में 20 स्वास्थ्य शिविर लगाने की प्राप्त स्वीकृति के परिपालन में 15 मई को मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक वार्ड-14 पाथाखेड़ा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ नगरपालिका परिषद सारणी के अध्यक्ष श्री किशोर बरदे एवं डब्यूकान सीएल पाथाखेडा के मुख्य प्रबंधक श्री संजय मिश्रा द्वारा किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मनोज हुरमाडे ने बताया कि शिविर में कुल 690 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया गया। शिविर में जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों स्त्री रोग, नाक कान गला रोग, मानसिक रोग, दंत रोग के द्वारा चिकित्सा सेवा दी गई। शिविर में नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री जगदीश पंवार, श्री रंजीत सिंह, खंड चिकित्सान अधिकारी डॉ संजीव शर्मा, संस्था ग्राम भारती मंडल अध्यक्ष श्रीमती भारती अग्रवाल एवं अन्य जनप्रनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक , स्वास्थ्य स्टॉफ उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि 18 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ.हुरमाड़े ने आमजन से स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

### ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण हेतु प्राधिकृत कर्मचारियों का प्रशिक्षण संपन्न

**नर्मदापुरम (निप्र)।** नपद पंचायत नर्मदापुरम के सभागार में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जय सोलंकी के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची वर्ष 2026 के पुनरीक्षण कार्य हेतु प्राधिकृत कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया एवं संबंधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्राधिकृत कर्मचारी 15 मई 2026 से 25 मई 2026 तक संबंधित ग्राम पंचायतों में उपस्थित रहकर मतदाताओं से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों के निराकरण उपरांत 25 मई 2026 तक संकलित जानकारी के आधार पर संशोधित मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। वहीं दावे एवं आपत्तियों का अंतिम निराकरण 30 मई 2026 तक किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रंजीत ताराम, तहसीलदार रूचि गोयल तथा बी.पी.ओ. रेवा शंकर लोवंशी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण प्रशिक्षक संजय पवार एवं एस एन चौरे द्वारा प्रदान किया गया, जिसमें सभी प्राधिकृत कर्मचारियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

# कोई भी पात्र महिला राशन से वंचित न रहे, अभियान चलाकर ई-केवाईसी पूर्ण कराएं : कलेक्टर

## आठनेर ब्लॉक में योजनाओं के क्रियान्वयन की कलेक्टर डॉ सोनवणे ने की समीक्षा

**बैतूल (निप्र)।** कलेक्टर बैतूल डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने निर्देश दिए हैं कि शादी के बाद अन्य स्थान से आई ऐसी महिलाओं, जिनका ई-केवाईसी एवं समग्र आईडी अपडेट नहीं होने के कारण राशन, एएनसी पंजीयन एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ प्रभावित हो रहा है, उनका प्राथमिकता से ई-केवाईसी कराया जाए। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को सख्त निर्देशित किया कि विशेष कैंप लगाकर पात्र महिलाओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी महिला राशन एवं अन्य योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने शुक्रवार को जनपद आठनेर के शासकीय महाविद्यालय बरखेड़ में आयोजित ब्लॉक स्तरीय बैठक में आठनेर ब्लॉक के विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आठनेर ब्लॉक में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा एवं पंचायत विभाग की योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य दिखाई देना चाहिए। बैठक में उन्होंने ग्राम जावरा एवं दनोरा में पेयजल समस्या के त्वरित निराकरण के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जनपद पंचायत

को निर्देशित किया। उन्होंने पीएम आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की सूची पंचायतों में प्रदर्शित कराने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि सिंचाई परियोजनाओं से कोई भी गांव वंचित न रहे। उन्होंने पचधार नहर जलाशय से वंचित ग्रामों की समस्या का समाधान कराने, ग्राम मोरुधना एवं ठेसका में नवीन ट्यूबवेल एवं पाइपलाइन कार्य पांचवें वित्त मद से कराने तथा ग्राम मोरुढाना आश्रम शाला की जर्जर छत के पुनर्निर्माण के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम रीमाखुर्द एवं पलासपानी के जर्जर स्कूल भवनों की समस्या का प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा। ग्राम बाकुड में मोक्षधाम एवं आंगनवाड़ी भवन निर्माण की समस्या के समाधान के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने ग्राम ढाणी निवासी प्रकाश सहारे की डैम में डूबने से मृत्यु के प्रकरण में तहसीलदार को त्वरित अनुग्रह सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं ग्राम धनौरी की पेयजल समस्या के समाधान के लिए जल संसाधन विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत नियमित साफ-सफाई अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी बोरवेल, ट्यूबवेल एवं अन्य जल स्रोतों की सूची तैयार कर 15 जून तक रिचार्ज वाटर स्ट्रक्चर बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि सूख चुके जल स्रोतों को अपस्ट्रीम जल संरक्षण कार्यों के माध्यम से पुनर्जीवित किया जाए तथा जल संरक्षण कार्यों का प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने सांसद निधि, विधायक निधि एवं अन्य मदों से संचालित कार्यों की समीक्षा कर अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। उद्यानिकी फसलों की संभावनाओं को देखते हुए इच्छुक महिला समूहों को इससे जोड़ने के निर्देश भी दिए। श्रम योगी मानधन योजना में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर उन्होंने ब्लॉक पंचायत अधिकारी का वेतन आहरण रोकने के निर्देश दिए। वहीं 95 प्रतिशत तक ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होने तक जनपद सीईओ के वेतन आहरण पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने फॉर्मर रजिस्ट्री, पीएम आवास योजना एवं अन्य विकास कार्यों की समीक्षा कर बारिश पूर्व अधिकतम कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग की होम विजिट एवं टेक होम राशन वितरण की समीक्षा करते हुए सीडीपीओ को प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए।

# जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेला सम्पन्न

**नर्मदापुरम (निप्र)।** कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जवाहर लाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय में जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मेले में 20 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों एवं विभिन्न शासकीय विभागों ने भागीदारी करते हुए युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। कार्यक्रम के दौरान अपर कलेक्टर बृजेन्द्र रावत एवं एसडीएम प्रियंका भलावी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा रोजगार और स्वरोजगार के क्षेत्र में युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से शासन की विभिन्न योजनाओं एवं रोजगार मेलों का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। मेले में तहसीलदार रामकिशोर झरबड़े, जिला रोजगार अधिकारी एस.के. धुर्वे, प्राचार्य डॉ. एन.के. नीखरा, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेल एवं उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी द्वारा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को ऋण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों को फल व्यवसाय एवं फुल्की-चाट दुकान संचालन हेतु बैंकों के माध्यम से ऋण स्वीकृत किए गए। इसके अतिरिक्त मछुआ कल्याण विभाग द्वारा तीन हितग्राहियों को लगभग 30 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए।

# खिलाड़ियों को मिले सुरक्षा के टिप्स

# आरोह 2026: खेल के मैदान से दिया साइबर सुरक्षा और नशामुक्ति का संदेश

**बैतूल (निप्र)।** स्थानीय मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में चल रहे 'आरोह 2026 ' ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के साप्ताहिक गतिविधियों के अंतर्गत एक 'साइबर जागरूकता एवं नशामुक्ति कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों और उनके अभिभावकों को डिजिटल दुनिया के खतरों से आगाह करना और उन्हें सामाजिक बुराइयों से दूर रखना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस विभाग की साइबर सेल के प्रभारी एवं उपनिरीक्षक श्री नवीन सोनकर उपस्थित रहे। उन्होंने वहां मौजूद सभी खिलाड़ियों, कोच, अभिभावकों और खेल स्टाफ को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विशेष जानकारी दी।

### साइबर फ्रॉड से बचने के सिखाए गुर

उपनिरीक्षक श्री नवीन सोनकर ने अपने संबोधन में वर्तमान समय में बढ़ रहे ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, और वित्तीय धोखाधड़ी के तरीकों को रेखांकित किया। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को साइबर अपराधियों के जाल में फंसने से बचने के लिए कई व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, पिन या बैंक डिटेल साझा न करें। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने से बचें।लॉटरी, मुफ्त उपहार या संदिग्ध लिंक्स पर क्लिक करने से बचें। साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

### नशामुक्ति का लिया संकल्प

साइबर जागरूकता के साथ-साथ कार्यक्रम में युवाओं को नशामुक्ति के प्रति भी जागरूक किया गया। उपस्थित खिलाड़ियों को समझाया गया कि एक मजबूत और स्वस्थ खिलाड़ी बनने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रहना जरूरी है, जिसके लिए नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूरी बनाए रखना अनिवार्य है। कार्यक्रम के अंत में जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती पूजा कुरील द्वारा नशामुक्ति की शपथ दिलाई गयी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी, उनके माता-पिता और खेल जगत से जुड़े गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री रामनारायण शुक्ला एवं आभार श्री तपेश साहू द्वारा व्यक्त किया गया।

# बिजली कंपनी द्वारा शिविर लगाकर किया गया बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण

**सीहोर (निप्र)।** विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। महाप्रबंधक श्रीमती पूनम तुमराम ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद कर उन्हें त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। विद्युत वितरण केन्द्रवार बनाए गये कलस्टरों पर शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविरों में बिजली उपभोक्ताओं की बिल, मीटर, सर्विस केबल, कनेक्शन एवं तकनीकी सेवाओं संबंधी शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 15 मई को वितरण केन्द्र खाचरोद अंतर्गत ग्राम हरर्राजखेड़ी में शिविर लगाया गया और नागरिकों की बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया। अभियान के अंतर्गत 16 मई को वितरण केन्द्र बागेर अंतर्गत ग्राम समरदा, वितरण केन्द्र कोठरी अंतर्गत ग्राम निपानिया में शिविर लगाया जाएगा। 18 मई को वितरण केन्द्र अमलाहा अंतर्गत ग्राम कालियाखेड़ी, वितरण केन्द्र बिजोरी अंतर्गत ग्राम जानपुरबावड़िया, वितरण केन्द्र बिलकिसगंज अंतर्गत ग्राम वीरपुर, वितरण केन्द्र इछावर अंतर्गत ग्राम सेवनिया, वितरण केन्द्र खजूरीकला अंतर्गत ग्राम सिराड़ी, वितरण केन्द्र अहमदपुर अंतर्गत ग्राम अहमदपुर, वितरण केन्द्र दिवड़िया अंतर्गत ग्राम मूण्डला, वितरण केन्द्र दोराहा अंतर्गत ग्राम तकिया, वितरण केन्द्र नापलाखेड़ी अंतर्गत ग्राम हसनाबाद, वितरण केन्द्र श्यामपुर अंतर्गत ग्राम बर्री, वितरण केन्द्र थूना अंतर्गत ग्राम दुपाड़ियाभील, वितरण केन्द्र भाउखेड़ी अंतर्गत ग्राम प्रतापुरा, वितरण केन्द्र ब्रिजिशनगर अंतर्गत ग्राम ब्रिजिशनगर, वितरण केन्द्र सीहोर शहर जोन-1 अंतर्गत वार्ड नं. 1, वार्ड नं. 2, वार्ड नं. 29, वितरण केन्द्र सीहोर शहर जोन-2 अंतर्गत वार्ड नं. 08, वितरण केन्द्र हकीमाबाद अंतर्गत ग्राम खेमपुर, वितरण केन्द्र जावर अंतर्गत ग्राम बमूलिया, वितरण केन्द्र आष्टा शहर अंतर्गत वार्ड नं. 03. वितरण केन्द्र मैना अंतर्गत ग्राम पटारियागोयल, वितरण केन्द्र मेहतवाड़ा अंतर्गत ग्राम गुराड़ियावर्मा, वितरण केन्द्र सिद्दीकगंज अंतर्गत ग्राम सिद्दीकगंज में शिविर लगाए जायेंगे।

### कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का किया सम्मान

**बैतूल (निप्र)।**कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे शुक्रवार को आठनेर भ्रमण के दौरान शासकीय महाविद्यालय बरखेड़ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बोर्ड परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आठनेर की कक्षा 10वीं और 12वीं के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी रुचियों एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर निरंतर मेहनत करने और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आठनेर की कक्षा 10वीं की प्रतिभाशाली छात्रा कु. कृतिका कनाठे 93 प्रतिशत, कु.मेघा मालवीय 89.2 प्रतिशत, दीपचंद धुर्वे 88.2 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं के छात्र इंद्रदेव खाकरे 87.8 प्रतिशत, कु. पूर्विका सोनी 86.2 प्रतिशत, अनीश ठाकरे 85.4 प्रतिशत को सम्मानित किया। इसी प्रकार कलेक्टर ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आठनेर की कक्षा 10वीं की छात्रा कु. इशिता साहू 88.4 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं की छात्रा कु. दीपिका उइके 93.8 प्रतिशत, कु. दिशा धोटे 90.2 प्रतिशत, कु दिव्या घोरसे 85.0 प्रतिशत, कु. दिशा लहरपुरे 82.8 प्रतिशत को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

# शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई में चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

**बैतूल (निप्र)।** शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में 15 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओ में विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी शिक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला युवा अधिकारी श्रीमती सुषमा गवली उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. महेश गुंजेले , श्री चाणक्य राखड़े एवं श्री रामनारायण शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य श्री अजीश पंद्रे द्वारा की गई। वहीं वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी श्री रेवाशंकर पंडाग्रे एवं श्री धनंजय सिंह ठाकुर की विशेष

उपस्थिति रही। इस अवसर पर छात्राओ के लिए चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में छात्राओ ने 'प्रौद्योगिकी और आधुनिक भारत' विषय पर आकर्षक एवं रचनात्मक चित्र प्रस्तुत किए, वहीं क्विज प्रतियोगिता में छात्राओ ने विज्ञान, तकनीक, डिजिटल इंडिया एवं भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि श्रीमती सुषमा गवली ने अपने उद्बोधन में कहा कि तकनीक आज केवल सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार बन चुकी है। उन्होंने छात्राओ को तकनीकी शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने तथा नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि युवाओ की ऊर्जा और तकनीकी कौशल भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. महेश गुंजेले ने कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस भारत की वैज्ञानिक क्षमता, अनुसंधान एवं आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने छात्राओ को विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में निरंतर सीखने, जिज्ञासा बनाए रखने तथा आधुनिक तकनीकों को सकारात्मक दिशा में उपयोग करने का संदेश दिया। प्राचार्य श्री अजीश पंद्रे ने अपने संबोधन में कहा कि तकनीकी शिक्षा वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि कौशल आधारित शिक्षा छात्राओ को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करती है तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मजबूत बनाती है। श्री चाणक्य राखड़े ने छात्राओ को तकनीकी नवाचार, डिजिटल कौशल एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा और तकनीक का युग है। उन्होंने छात्राओ को निरंतर अभ्यास, नवीन तकनीकों के अध्ययन एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

# छत पर अकेले जाती ट्विशा शर्मा, 57 मिनट बाद सीपीआर और तीन लोग टांगकर नीचे लाते दिखे

## ट्विशा शर्मा का पति समर्थ सिंह अभी भी फरार, 10 हजार का इनाम घोषित

**ट्विशा शर्मा केस में सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें ट्विशा शर्मा अकेले छत पर जाती दिख रही है। करीब एक घंटे बाद लोग उसे छत से टांगकर लाते दिख रहे हैं। भोपाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।**

भोपाल | ट्विशा शर्मा केस में भोपाल पुलिस के हाथ सीसीटीवी वीडियो लगा है। वीडियो में दिख रहा है कि ट्विशा शर्मा छत पर अकेले जा रही है। करीब 57 मिनट बाद वीडियो में दिखता है कि कुछ लोग ट्विशा को सीढ़ी पर सीपीआर दे रहे हैं। तीन मिनट तक सीपीआर देने के बाद तीन मर्द ट्विशा को टांगकर नीचे की ओर ले जाते हैं। कहा जा रहा है कि इसी दिन ट्विशा शर्मा ने खुदकुशी की थी।

### रात सात बजकर 20 मिनट पर ऊपर जाती दिख रही है ट्विशा

दरअसल, घटना को लेकर जो सीसीटीवी वीडियो सामने आया है, उसमें दिख रहा है कि ट्विशा शर्मा अकेले छत पर जा रही है। सीसीटीवी वीडियो में टाइमिंग शाम सात बजकर 20 मिनट दिख रही है। साथ ही तारीख 10 मई दिख रही है। हालांकि ट्विशा ने खुदकुशी 11 मई की रात की थी। ये संभावना हो सकती है कि टाइम सही से कैमरे में सेट नहीं हो।

### 57 मिनट में बाद सीढ़ी पर सीपीआर देते दिखे लोग

पुलिस की तरफ से जारी सीसीटीवी वीडियो में दिख रहा है कि छत पर ट्विशा

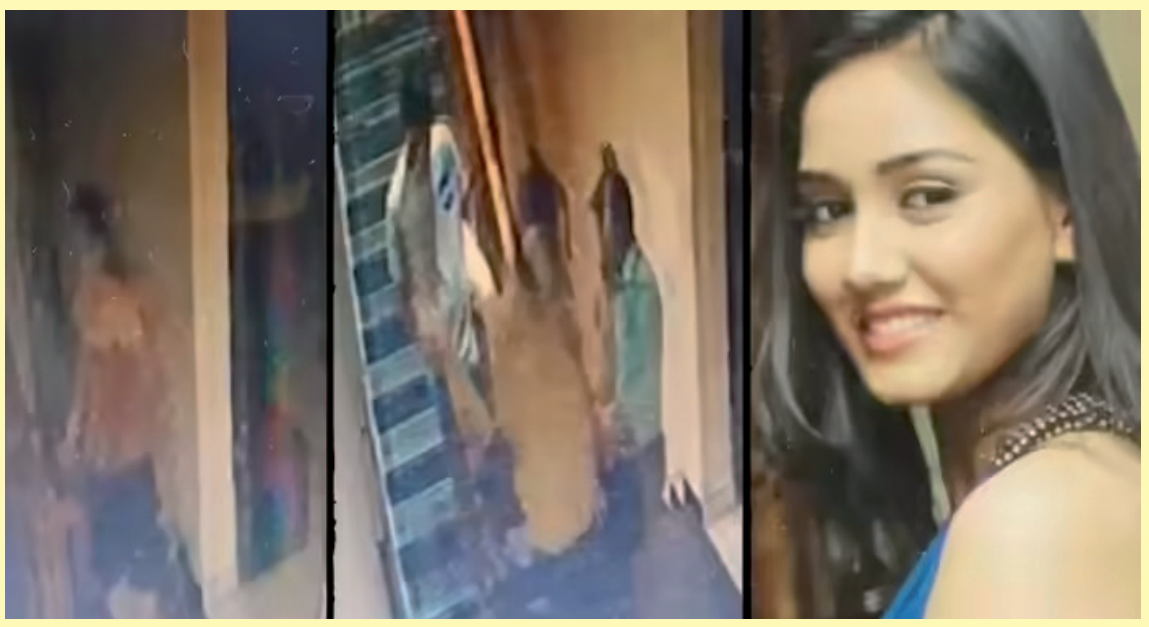

के जाने के 57 मिनट बाद उसे सीढ़ी पर सीपीआर दे रहे हैं। सीसीटीवी वीडियो की टाइमिंग के अनुसार ट्विशा सात बजकर 20 मिनट पर छत पर गई थी और आठ बजकर 17 मिनट पर लोग सीपीआर दे रहे थे। वीडियो के अनुसार करीब तीन मिनट तक उसे सीपीआर देते हैं। इसके बाद तीन लोग उसे टांगकर नीचे लाते हैं। इसमें एक ट्विशा का पति है। साथ ही दो अन्य लोगों के बारे में पुलिस पता कर रही है।

### सास बाहर निकलती हैं लेकिन ऊपर नहीं जाती दिखी

वहीं, वीडियो में दिख रहा है कि सीढ़ियों पर हलचल के बाद सास गिरिबाला सिंह बाहर निकलती हैं और सीढ़ी के पास खड़ी होकर देखती हैं। लेकिन फिर वह नीचे चली जाती हैं। परिवार का कहना है कि ट्विशा बात करते हुए फोन पर गई थी और छत पर जान दी है।

गौरतलब है कि ट्विशा शर्मा के परिवार वालों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। परिजन उसके शव का पोस्टमार्टम दिल्ली एम्स में करवाने की मांग कर रहे हैं। वहीं, भोपाल पुलिस ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी है। साथ ही ट्विशा के हसबैंड की गिरफ्तारी के लिए पुलिस 10000 रुपए का इनाम घोषित किया है।

# मध्यप्रदेश सरकार का बड़ा फैसला, व्यापारियों के लिए बनेगा 'राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड', सीधे सरकार तक पहुंचेगी आवाज

**मध्यप्रदेश में व्यापारियों के हितों और समस्याओं के समाधान के लिए जल्द 'राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड' का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इससे व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और सरकार व व्यापारियों के बीच सीधा संवाद स्थापित होगा...**

भोपाल | राजस्थान, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और हरियाणा के बाद अब मध्य प्रदेश के लिए अलग से 'राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड ' बनने जा रहा है। एमपी छठवां राज्य होगा जहां व्यापारियों के लिए इस तरह का सेपरेट बोर्ड का गठन होने जा रहा है। संभवतः सीएम खुद इसके अध्यक्ष होंगे।

भारत सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड' का गठन के बाद अब प्रत्येक राज्य व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण व हितों के संरक्षण और बेहतर व्यापारिक माहौल देने के प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में अब राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर पर 'राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड' बना रहीं हैं। मध्यप्रदेश में इसके गठन को मंजूरी मिल चुकी है। जल्द ही राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी हो सकती है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रदेश में जल्द 'राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड' का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि 'सशक्त व्यापारी, समृद्ध व्यापारी' के संकल्प के साथ यह पहल व्यापार को नई गति देगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगी।

- MP में बनेगा 'राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड'
- छठवां राज्य जहां व्यापारियों के लिए अलग बोर्ड होगा
- सरकार और व्यापारियों के बीच बनेगा सीधा संवाद
- RBI, NABARD, FSSAI और NHAI के प्रतिनिधि होंगे शामिल
- CII, FICCI, DICCI समेत कई संस्थाओं को मिलेगा प्रतिनिधित्व
- जिला स्तर पर भी बनाई जाएंगी समितियां

### देश के 5 राज्यों में बोर्ड काम कर रहे

मध्य प्रदेश देश का छठवां राज्य होगा जहां व्यापारियों के लिए अलग से राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड बनने जा रहा है। इसके पहले राजस्थान, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में यह व्यारिक बोर्ड गठित हो चुके हैं। एमपी के राज्य छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भी इनके गठन की प्रक्रिया चल रही हैं।

### सरकार तक सीधे आवाज पहुंचेगी

सरकार के अनुसार यह बोर्ड सरकार और व्यापारियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का काम करेगा। व्यापारियों की समस्याओं और सुझावों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए इसे एक सशक्त मंच के रूप में विकसित किया जाएगा।

### बोर्ड में इन संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे

बोर्ड में विभिन्न संस्थाओं और विभागों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा। इसमें RBI, NABARD, FSSAI और NHAI के प्रतिनिधियों के साथ-साथ CII, FICCI, DICCI, FIEO और लघु उद्योग संगठनों से जुड़े सदस्य भी रहेंगे।

### जिला स्तर पर समितियों का गठन होगा, हर महीने बैठक

प्रदेशभर में जिला स्तर पर समितियों का गठन भी किया जाएगा, जो स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं को सीधे बोर्ड तक पहुंचाने का काम करेंगी। जिला स्तरीय समितियों की बैठक हर महीने होगी, जबकि राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड की बैठक प्रत्येक तीन महीने में आयोजित की जाएगी।

# भोपाल में ठंडी राहत के नाम पर सेहत से खिलवाड़:

## लस्सी-आमरस में मिलावट, सड़क किनारे गन्ने का रस भी खतरे की घंटी

भोपाल | राजधानी भोपाल में भीषण गर्मी के बीच ठंडे पेय पदार्थों की मांग बढ़ने के साथ मिलावट का खतरा भी बढ़ गया है। आमरस, लस्सी और गन्ने के रस में केमिकल रंग और अस्वच्छ सामग्री मिलाने की शिकायतें सामने आई हैं। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि ऐसे पेय पदार्थ पेट की गंभीर बीमारियों, फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकते हैं।

भीषण गर्मी झेल रही राजधानी भोपाल में तापमान 44 डिग्री के करीब पहुंच गया है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग बड़ी संख्या में लस्सी, आमरस, जूस और गन्ने का रस पी रहे हैं, लेकिन इसी बीच मिलावट और नकली रंगों का खेल भी तेज हो गया है। शहर में कई जगह आमरस और लस्सी में केमिकल रंग मिलाने की शिकायतें सामने आने के बाद खाद्य विभाग ने सैंपलिंग शुरू कर दी है।

### सैंपल लिए जा रहे, लेकिन रिपोर्ट में हो रही देरी

खाद्य विभाग लगातार दुकानों और ठेलों से सैंपल ले रहा है, लेकिन जांच रिपोर्ट आने में काफी समय लग रहा है। यही वजह है कि मिलावट करने वालों पर तुरंत सख्त कार्रवाई नहीं हो पा रही। गर्मी के मौसम में ठंडे पेय की बढ़ती मांग के बीच मिलावटखोर इसका फायदा उठा रहे हैं।

### डॉक्टर बोले- आर्टिफिशियल रंग बना सकते हैं गंभीर मरीज

एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. एके द्विवेदी ने बताया कि ड्रिंक्स को आकर्षक दिखाने के लिए उनमें आर्टिफिशियल कलर और केमिकल मिलाए जाते हैं। ये केमिकल पेट में गैस्ट्राइटिस, संक्रमण, उल्टी-दस्त और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार जूस और लस्सी साफ-सफाई के बिना तैयार किए जाते हैं, जिससे बैक्टीरियल संक्रमण का खतरा और बढ़ जाता है। कुछ मामलों में मरीजों की हालत

इतनी गंभीर हो जाती है कि जान बचाना मुश्किल हो जाता है।

### सड़क किनारे गन्ने का रस सबसे ज्यादा खतरनाक

डॉ द्विवेदी के मुताबिक सड़क किनारे बिकने वाला गन्ने का रस सबसे ज्यादा नुकसानदेह साबित हो सकता है। खुले में रखी बर्फ, गंदा पानी और अस्वच्छ मशीनों से संक्रमण तेजी से फैल सकता है। उन्होंने सलाह दी कि अगर गन्ने का रस पीना हो तो घर पर निकालकर पिएं या सीधे गन्ना चबाकर सेवन करें।

### आमरस और लस्सी में मिल रहे खतरनाक केमिकल

विशेषज्ञों के अनुसार कई दुकानों में आमरस और लस्सी को ज्यादा पीला और आकर्षक दिखाने के लिए मेटानिल येलो जैसे प्रतिबंधित रंग मिलाए जाते हैं। ये केमिकल शरीर के लिए बेहद खतरनाक माने जाते हैं। इनके सेवन से एलर्जी, पेट दर्द, उल्टी-दस्त, अस्थमा की परेशानी, लिवर-किडनी डैमेज जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। बच्चों में ऐसे केमिकल मानसिक विकास और एकाग्रता पर भी असर डाल सकते हैं।

आमरस में रंग मिलाने की सबसे ज्यादा शिकायत

खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव के मुताबिक शहर के अलग-अलग इलाकों से आमरस में केमिकल कलर मिलाने की शिकायतें मिली थीं। इसके बाद टीम ने करीब एक दर्जन दुकानों से आमरस और लस्सी के सैंपल लिए और उन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा है। अधिकारियों का कहना है कि कलेक्टर और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर लगातार कार्रवाई जारी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ न्यायालय में प्रकरण दर्ज किए जाएंगे।

### बिना पंजीयन दुकान मिली तो होगी सील

खाद्य विभाग ने साफ किया है कि जिन दुकानों के पास लाइसेंस या पंजीयन नहीं मिलेगा, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर दुकानें सील भी कराई जा सकती हैं। फिलहाल अधिकांश दुकानों में पंजीयन मिला है, लेकिन जांच अभियान लगातार जारी है।

ऐसे करें बचाव

डॉक्टरों ने सलाह दी है कि बहुत ज्यादा चमकदार और अस्वाभाविक रंग वाले आमरस, लस्सी और जूस से बचें। सड़क किनारे खुले में बिकने वाले पेय पदार्थों की बजाय घर पर ताजे फल और शुद्ध दही से बने ड्रिंक का सेवन ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

# अब गांव-गांव पहुंचेगी बेहतर मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवा, एम्स भोपाल ने तैयार किया नया हेल्थ मॉडल

भोपाल | अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल ने 'प्रकाश' प्रोजेक्ट के तहत सीहोर में नया हेल्थ मॉडल तैयार करने की दिशा में पहल की है। इसका उद्देश्य गांव-गांव तक मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना, लोगों को सही स्वास्थ्य जानकारी देना और समय पर इलाज उपलब्ध कराना है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल ने ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ी पहल शुरू की है। आईसीएमआर वित्तपोषित प्रकाश प्रोजेक्ट के तहत सीहोर में आयोजित विशेष कार्यशाला में ऐसा हेल्थ मॉडल तैयार करने पर मंथन हुआ, जिससे गांवों तक बेहतर इलाज, सही स्वास्थ्य सलाह और समय पर जांच की सुविधा पहुंचाई जा सके।

**माताओं और बच्चों तक समय पर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने पर फोकस** – इसका मुख्य उद्देश्य ऐसा सिस्टम विकसित करना था, जिससे गर्भवती महिलाओं, नवजात बच्चों और ग्रामीण परिवारों को समय रहते स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। अधिकारियों ने माना कि कई बार जानकारी और जागरूकता की कमी के कारण लोग सरकारी योजनाओं का पूरा फायदा नहीं ले पाते। इसी को ध्यान में रखते हुए व्यवहार परिवर्तन संचार को इस मॉडल का अहम हिस्सा बनाया जा रहा है, ताकि लोगों तक सही स्वास्थ्य जानकारी पहुंच सके और वे समय पर इलाज व जांच करा सकें।

**स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताईं जमीनी समस्याएं** – कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की टीम, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, आरबीएसके अधिकारी और ब्लॉक स्तर के स्वास्थ्य कर्मियों ने हिस्सा लिया। बैठक में गांव स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि कई ग्रामीण इलाकों में मातृ और बाल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए स्थानीय स्तर पर मजबूत समन्वय और जागरूकता की जरूरत है।

**सरकारी योजनाओं को जोड़कर मजबूत होगी व्यवस्था** – बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम सहित अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के साथ बेहतर तालमेल बनाकर उपलब्ध संसाधनों और उपकरणों का प्रभावी उपयोग करने पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि विभिन्न योजनाओं को एक साथ जोड़ने से स्वास्थ्य सेवाएं ज्यादा प्रभावी और उपयोगी बन सकेंगी।

**गांवों तक स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत पहुंच बनाने की तैयारी** – विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह मॉडल सफल होता है तो भविष्य में इसे दूसरे जिलों में भी लागू किया जा सकता है।

# 2 बार गला रेता, पेट में 11 बार चाकू घोंपा और 5 मिनट तड़पने के बाद मौत; साइको प्रेमी ने खुद को ऐसे मारा

भोपाल | इस शख्स ने चाकू से 2 बार अपना गला रेता, फिर पेट में 11 बार चाकू घोंप लिया। करीब 5 मिनट तड़पने के बाद मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

भोपाल के सोनागिरी सी-सेक्टर में रविवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई। 50 वर्षीय लक्ष्मण प्रसाद रिछारिया ने अपनी लिवइन पार्टनर कल्पना भारती पर बीच सड़क हथौड़े से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सिर पर जोरदार वार होने से कल्पना सड़क पर गिरकर बेहोश हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लक्ष्मण को लगा कि कल्पना की मौत हो चुकी है। इसके बाद उसने सड़क किनारे बंद दुकानों के सामने खड़े होकर चाकू से पहले अपना गला रेता और फिर उसी चाकू से पेट में 11 बार वार कर लिया। गंभीर रूप से घायल हालत में वह कुछ देर वहीं बैठा रहा और बाद में उसकी मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने घायल कल्पना को बचाने की कोशिश की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, लक्ष्मण को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सोमवार को घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें लक्ष्मण खुद पर हमला करता दिखाई दे रहा है। पिपलानी थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, लक्ष्मण और कल्पना पिछले पांच साल से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। लक्ष्मण अपनी पार्टनर के चरित्र पर शक करता था, जिसे लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। रविवार सुबह भी इसी बात पर कहासुनी हुई और गुस्से में आकर उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया।

# सरकार-संगठन की मैराथन समीक्षा, मंत्रियों को मिला सक्रिय होने का संदेश, 2023 में हारी सीटों पर पार्टी की नजर

भोपाल | मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार और संगठन के बीच तालमेल मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पार्टी नेतृत्व ने मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा की। बैठक में मंत्रियों को संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने, जिलों में लगातार दौरे करने और जनता से जुड़ाव मजबूत रखने के निर्देश दिए गए।

मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार और संगठन के बीच समन्वय को और मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा नेतृत्व ने मंत्रियों के साथ दो दिन तक लगातार समीक्षा बैठकें कीं। इन बैठकों में मंत्रियों के विभागीय कामकाज, जिलों में सक्रियता, संगठन से तालमेल और जनता के बीच उनकी मौजूदगी को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठकों में संगठन ने मंत्रियों को साफ संदेश दिया कि केवल विभागीय कामकाज ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और संगठनात्मक सक्रियता भी उतनी ही जरूरी है।

खासतौर पर उन विधानसभा सीटों पर फोकस बढ़ाने के निर्देश दिए गए, जहां भाजपा 2023 के चुनाव में हार गई थी या बहुत कम अंतर से जीत दर्ज कर पाई थी। मंत्रियों से कहा गया कि वे अपने गृह जिलों और प्रभार वाले जिलों में लगातार प्रवास करें और पार्टी कार्यकर्ताओं, सांसदों व विधायकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखें। जानकारी के मुताबिक बैठक में मंत्रियों से यह भी पूछा गया कि उन्होंने अपने विभागों की समीक्षा कितनी बार की और योजनाओं की जमीनी स्थिति जानने के लिए कितने औचक निरीक्षण किए। मुख्यमंत्री ने स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य संस्थानों और गेहूं खरीदी व्यवस्था जैसी योजनाओं की प्रगति पर विशेष जानकारी ली। मंत्रियों को निर्देश दिए गए कि वे फील्ड विजिट बढ़ाएं और योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति खुद जाकर देखें।

बैठक के दौरान भाजपा संगठन ने मंत्रियों की राजनीतिक सक्रियता पर भी सवाल किए। उनसे पूछा गया कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं से कितना संवाद करते हैं और जिलों के दौरों के दौरान कितनी संगठनात्मक बैठकें करते हैं। संगठन ने स्पष्ट किया कि सरकार और पार्टी के बीच बेहतर समन्वय ही आने वाले समय में भाजपा की सबसे बड़ी ताकत होगा। इस दौरान कई मंत्रियों ने अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर नाराजगी भी जताई। राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि यह बैठक केवल सामान्य समीक्षा नहीं थी, बल्कि संगठन अब मंत्रियों की सक्रियता, जनता से जुड़ाव और संगठनात्मक पकड़ को लेकर अधिक गंभीर नजर आ रहा है।

# || संपादकीय ||

## कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में सेल्फी का दुरुपयोग भी संभव

आधुनिक युग में विभिन्न सामाजिक मंचों पर अपने जीवन के विशेष क्षणों को साझा करना मानवीय व्यवहार का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। जब कोई व्यक्ति किसी मनोरम स्थान की यात्रा पर जाता है, मित्रों के साथ आनंदमय समय बिताता है, या प्रतिदिन अपनी नई तस्वीरें अपलोड करता है, तो उसका उद्देश्य अपनी खुशियों और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करना होता है। इन चित्रों के माध्यम से लोग अपनी भावनाएं, जीवनशैली और व्यक्तिगत उपलब्धियां समाज तक पहुंचाते हैं। परंतु, तकनीक की तीव्र गति ने अब इन चित्रों को केवल सुंदर स्मृतियों तक सीमित नहीं रखा है। आज यही तस्वीरें हमारी व्यक्तिगत पहचान और वित्तीय सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निरंतर बढ़ते प्रभाव ने अंतरजाल आधारित अपराधों को एक सर्वथा नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है।

वर्तमान समय में सुरक्षा विशेषज्ञ यह चेतावनी दे रहे हैं कि हमारे दूरभाष या चित्र-यंत्र से ली गई एक सामान्य सी तस्वीर से भी किसी व्यक्ति की उंगलियों के निशान चोरी किए जा सकते हैं और भविष्य में उनका अवांछित दुरुपयोग पूरी तरह संभव है। वर्तमान समय में अत्याधुनिक साधन किसी भी धुंधली तस्वीर को अत्यधिक स्पष्ट और सघन बनाने में सक्षम हैं। तस्वीरों की बारीक रेखाओं को साफ करना, उनके विस्तार को बढ़ाना और उनमें छिपे अत्यंत सूक्ष्म स्वरूपों को पहचानना अब इन प्रणालियों के लिए बहुत सरल हो चुका है। यही कारण है कि मानवीय उंगलियों के पोरों पर पाई जाने वाली अद्वितीय और अत्यंत बारीक रेखाएं भी अब इलेक्ट्रॉनिक विश्लेषण के माध्यम से आसानी से निकाली जा सकती हैं। अंतरजाल सुरक्षा विशेषज्ञ ली चांग ने अपने हालिया प्रदर्शनों में यह प्रमाणित करके दिखाया है कि उच्च गुणवत्ता वाली साधारण तस्वीरों से भी पूरी तरह उपयोग में लाए जा सकने वाले उंगलियों के निशान प्राप्त किए जा सकते हैं।

इस सुरक्षा संकट से जुड़े वैज्ञानिक अध्ययनों और आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह स्थिति और भी भयावह प्रतीत होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, यदि कोई तस्वीर लगभग 1.5 मीटर की दूरी से ली गई हो और उपकरण के चित्र-यंत्र की गुणवत्ता उत्तम स्तर की हो, तो उस चित्र से उंगलियों के निशान शत-प्रतिशत स्पष्टता के साथ प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यदि तस्वीर 1.5 से 3 मीटर की दूरी से भी ली गई हो, तब भी आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों की सहायता से उंगलियों के लगभग 50 प्रतिशत तक के रेखा-स्वरूप को सफलतापूर्वक निकाला जा सकता है। यद्यपि सामान्य जन के लिए यह एक साधारण सा आंकड़ा लग सकता है, परंतु अंतरजाल अपराध और पहचान की चोरी करने वाले अपराधियों के लिए इतनी आंशिक जानकारी भी अत्यंत विनाशकारी सिद्ध हो सकती है। आज के समय में प्रयुक्त होने वाले कई अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण उंगलियों के केवल आंशिक या आधे निशानों के मिलान से भी पहचान सत्यापित करने की क्षमता रखते हैं, जिससे अपराधियों का काम और अधिक सुगम हो जाता है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक संवेदनशील और खतरनाक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब लोग कैमरे के सम्मुख अपनी उंगलियों को सीधा करके विजय सूचक या शांति सूचक चिह्न बनाते हैं। युवाओं और बच्चों के बीच यह मुद्रा अत्यधिक लोकप्रिय है और सामाजिक माध्यमों पर ऐसी करोड़ों तस्वीरें उपलब्ध हैं। इस विशिष्ट मुद्रा में व्यक्ति की उंगलियों के पोर सीधे उपकरण के सामने केंद्रित होते हैं, जिसके कारण तस्वीर में उंगलियों की रेखाएं सबसे अधिक स्पष्ट और प्रकाशमान दिखाई देती हैं। जापान के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने कई वर्ष पूर्व ही इस विषय पर गहन शोध करके दुनिया को सचेत किया था कि इस प्रकार की मुद्राओं वाली तस्वीरों से उंगलियों के निशानों को बहुत सुगमता से पढ़ा जा सकता है। अब जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति कई गुना बढ़ चुकी है, तब इस तकनीकी खतरे की गंभीरता पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यापक हो चुकी है।

उंगलियों के निशानों के लीक होने का यह संकट किसी भी सामान्य कूटशब्द की चोरी से अत्यधिक गंभीर माना जाता है। यदि किसी उपयोगकर्ता का कोई कूटशब्द या गोपनीय संख्या चोरी हो जाती है, तो वह तत्काल उसे बदलकर एक नया और सुदृढ़ कूटशब्द निर्मित कर सकता है। इसके विपरीत, मनुष्य की उंगलियों के निशान उसके संपूर्ण जीवनकाल में अपरिवर्तनीय रहते हैं। कोई भी व्यक्ति अपनी उंगलियों के प्राकृतिक निशानों को बदल नहीं सकता है। यही मुख्य कारण है कि इस प्रकार के जैव-पहचान संबंधी आंकड़ों का दुरुपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए दीर्घकालिक समस्या उत्पन्न कर सकता है। एक बार यदि किसी अपराधी समूह या अवांछित प्रणाली के पास किसी नागरिक की उंगलियों के निशानों का सटीक रेखा-स्वरूप पहुंच जाता है, तो वह अपराधी भविष्य में कई वर्षों तक उस व्यक्ति के नाम पर विभिन्न प्रकार के वित्तीय अपराध करने का प्रयास कर सकता है।

आज संपूर्ण विश्व में आधुनिक दूरभाष, संगणक, बैंकिंग सेवाएं, सरकारी प्रणालियां और उच्च सुरक्षा वाले संस्थान उंगलियों के निशानों पर आधारित पहचान प्रणाली पर पूरी तरह निर्भर हो चुके हैं। अधिकांश कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए इन जैव-पहचान उपकरणों का ही उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही हवाई अड्डों, सीमा सुरक्षा चौकियों और अन्य संवेदनशील राष्ट्रीय संस्थानों में भी पहचान की पुष्टि के लिए उंगलियों के निशानों का उपयोग निरंतर बढ़ रहा है। ऐसी संवेदनशील व्यवस्था में यदि किसी निर्दोष नागरिक की जैव-पहचान संबंधी गोपनीय जानकारी गलत हाथों में चली जाती है, तो उसके परिणामस्वरूप पहचान की चोरी, गंभीर बैंकिंग धोखाधड़ी, बैंक खातों से धन की अवैध निकासी और प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश जैसी अत्यंत विकट समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित इस तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नित नए शोधों से कुछ और चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह देखा गया है कि मशीन पर आधारित आधुनिक कलन विधियां अब ऐसे कृत्रिम अथवा नकली उंगलियों के निशान भी तैयार कर सकती हैं जो विभिन्न सुरक्षा उपकरणों को भ्रमित करने में सक्षम हैं। वैज्ञानिकों ने प्रयोगशालाओं में ऐसे कृत्रिम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित निशानों को विकसित करने में सफलता पाई है जिन्हें कुछ संवेदनशील सुरक्षा प्रणालियों ने वास्तविक मानकर स्वीकार कर लिया। यह उभरती हुई स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि आने वाले समय में अंतरजाल सुरक्षा की चुनौतियां मानवीय कल्पना से भी अधिक जटिल और बहुआयामी होने वाली हैं।

हालांकि, इस विषय के दूसरे पहलू को स्पष्ट करते हुए विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि सामाजिक माध्यमों पर डाली गई प्रत्येक तस्वीर से तत्काल कोई बैंक खाता अवरुद्ध नहीं हो जाता और न ही हर सामान्य चित्र इतना बड़ा संकट उत्पन्न करता है। किसी भी तस्वीर से उंगलियों के निशानों को सफलतापूर्वक निकालने के लिए अत्यधिक अनुकूल और सटीक परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। इसके लिए चित्र लेते समय प्रकाश की व्यवस्था अत्यंत उत्तम होनी चाहिए, उपकरण का केंद्रन पूरी तरह से उंगलियों पर होना चाहिए और तस्वीर की स्पष्टता बहुत उच्च स्तर की होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, वर्तमान समय के अधिकांश अत्याधुनिक उपकरण केवल उंगलियों के निशानों पर ही पूरी तरह आश्रित नहीं होते हैं। उनमें सुरक्षा की अतिरिक्त परतें जैसे गुप्त संख्या, चेहरे की पहचान और डेटा सुरक्षा प्रणालियां भी अंतर्निहित होती हैं। इसके बावजूद, तकनीक के इस निरंतर होते विकास के कारण इस खतरे को कदापि कम करके नहीं आंका जाना चाहिए।

इस नए युग के अंतरजाल खतरों से निपटने के लिए सामाजिक माध्यमों का उपयोग करने वाले नागरिकों के बीच व्यापक जागरूकता का होना सबसे महत्वपूर्ण उपाय है। आज के दौर में अंतरजाल और सामाजिक मंचों का उपयोग पूरी तरह से बंद कर देना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है, परंतु अपनी आदतों में थोड़ा सा सुधार करके इस खतरे को न्यूनतम अवश्य किया जा सकता है। तस्वीरें लेते समय उपकरण की ओर सीधे उंगलियां दिखाने वाली मुद्राओं से पूर्णतः बचना चाहिए। अत्यधिक निकटता से ली गई उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरों को सार्वजनिक मंचों पर साझा करने से परहेज करना चाहिए।

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा के कूटनीतिक निहितार्थ भारत के लिए महत्वपूर्ण

> यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई (AI) और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग को मजबूत करना चाहता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के हालिया विदेश दौरे के कई बड़े कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक मायने हैं। क्योंकि मई 2026 में उनका यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध, सप्लाई चेन अस्थिरता और नए वैश्विक ध्रुवीकरण से गुजर रही है। लिहाजा, पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

पहला, ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है। ईरान संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यूएई दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। लिहाजा भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी (LPG) सप्लाई, ऊर्जा निवेश, समुद्री सुरक्षा जैसे अहम समझौते हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत भविष्य के किसी बड़े वैश्विक ऊर्जा संकट के लिए खुद को सुरक्षित करना चाहता है।

दूसरा, पश्चिम एशिया में भारत की रणनीतिक पकड़ बढ़ रही है, क्योंकि यूएई ने पीएम मोदी का असाधारण स्वागत किया- एफ-16 एस्कॉर्ट और राष्ट्रपति स्तर की अगवानी- यह दिखाता है कि भारत अब केवल "तेल खरीदने वाला देश" नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदार बन चुका है।

इसके मायने ये निकलते हैं कि पाकिस्तान की पारंपरिक खाड़ी पकड़ कमजोर होगी और भारत की अरब देशों में स्वीकार्यता बढ़ती जाएगी। इससे रक्षा और टेक्नोलॉजी सहयोग का विस्तार भी होगा।

तीसरा, यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई (AI) और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग को मजबूत करना चाहता है। विशेषकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत चीन पर निर्भरता कम करना चाहता है। इसलिए इस पहल के अपने रणनीतिक मायने हैं।

चौथा, चीन और अमेरिका दोनों को संतुलित संदेश देने के लिए पीएम मोदी का यह दौरा "मल्टी-अलाइनमेंट" नीति का हिस्सा भी है, इससे अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस से संबंध, अरब देशों से सामरिक निकटता, यूरोप के साथ तकनीकी सहयोग, चीन के प्रभाव का संतुलन बढ़ेगा। चूंकि भारत यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बल्कि स्वतंत्र वैश्विक शक्ति है।

पांचवां, भारत को निवेश हब बनाने की कोशिश यूएई द्वारा भारत में 5 अरब डॉलर निवेश की घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ सकता है। यह "मेक इन इंडिया" और "भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब" बनाने की रणनीति से जुड़ा है।

छठा, घरेलू राजनीति के संकेत के नजरिए से दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ पीएम मोदी जनता से ईंधन बचाने, विदेशी यात्राएं कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद बड़े वैश्विक दौरे कर रहे हैं। इसका राजनीतिक संदेश यह जाएगा कि कठिन वैश्विक समय में सक्रिय नेतृत्व पीएम दे रहे हैं और भारत संकट में भी वैश्विक केंद्र बना हुआ है। इससे पीएम मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि मजबूत होकर चमकेगी।

सातवां, भारत की वैश्विक छवि निर्माण के दृष्टिकोण से यह दौरा यह दिखाने का प्रयास भी है कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि ऊर्जा, तकनीक, व्यापार और सुरक्षा में निर्णायक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है। विशेषकर G20 के बाद भारत अपनी "विश्व नेतृत्व" छवि को स्थायी बनाना चाहता है। इसके संभावित दीर्घकालिक प्रभाव भारत के लिए अहम साबित हो सकते हैं, क्योंकि इससे जहां ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना रहेगी।

साथ ही रक्षा-तकनीकी सहयोग विस्तार से वैश्विक प्रभाव में वृद्धि होगी। भारत की यह नई चाल चीन के लिए यूरोप और खाड़ी में भारत की सक्रियता चीन के प्रभाव को चुनौती दे सकती है। जबकि पाकिस्तान के लिए खाड़ी देशों में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता रणनीतिक दबाव बढ़ा सकती है। वहीं, यूरोप के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत की अहमियत बढ़ेगी। जबकि अमेरिका के लिए भारत एक आवश्यक रणनीतिक साझेदार बना रहेगा, भले ही वह पूरी तरह अमेरिकी धड़े में न जाए।

निष्कर्ष यह निकलता है कि पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

• कमलेश पांडेय
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# किस ब्रह्मांड में हैं ट्रंप

प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड के एक मंच से आगाह किया है कि यह आपदाओं का दशक बन गया है। यदि पश्चिम एशिया युद्ध के हालात नहीं बदले, युद्ध नहीं थमा, तो दशकों की कई उपलब्धियों पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बड़ी आबादी फिर से गरीबी के दलदल में फंस जाएगी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी कहा है कि ऊर्जा-संकट अभी इतना बढ़ेगा कि दुनिया में आर्थिक महामंदी का दौर शुरू हो सकता है। होर्मुज अभी खुलता नहीं लग रहा, बल्कि समंदर का तनाव और बढ़ेगा। जंग अभी जारी रहेगी, लिहाजा हमें इन स्थितियों के लिए तैयार रहना है और मुकाबला भी करना है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली सरीखे विकसित देशों की अपनी चिंताएं हैं, क्योंकि तेल-गैस की उनकी सप्लाई चेन भी बहुत प्रभावित हुई है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप न जाने किस ब्रह्मांड में रहते हैं? कैसे आत्म-मुग्ध, साम्राज्यवादी, आक्रांता किस्म के, कब्जेबाज राष्ट्रपति हैं, जिसे दुनिया की चिंता भी नहीं है और उसके प्रति सरोकार भी 'शून्य' हैं। ट्रंप चीन प्रवास से खाली हाथ, नाकाम, फ्लॉप, समझौते के बिना, ईरान युद्ध के किसी समाधान के बिना और ताइवान पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 'युद्ध-सी' चेतावनी सुनकर लौटे हैं और ईरान पर नए आक्रमण की रणनीति में जुट गए हैं। उनके अपने देश अमरीका में मुद्रास्फीति बढ़ गई है। पेट्रोल-डीजल 44-48 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है। विश्व में हाहाकार मची है। जापान जैसे देश को अपना तेल रिजर्व खोलना पड़ा है, ताकि देश में आपूर्ति बराबर बनी रहे। कच्चे तेल की कीमतें 108 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुकी हैं। कच्चा तेल औसतन 51 फीसदी महंगा हुआ है। यूरिया और अमोनिया 65 फीसदी और बुटान (हाईड्रोकॉर्बन गैस) 51 फीसदी से अधिक महंगे हुए हैं। यह कोई अस्थायी बाधा और सामान्य स्थिति नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी का आकलन है कि ईरान युद्ध के कारण दुनिया के 4.5 करोड़ लोग भुखमरी के शिकार हो सकते हैं। क्या ट्रंप को इन स्थितियों का एहसास तक नहीं है?

क्या वह विश्व-विजयी आक्रांता साबित होना चाहते हैं? राष्ट्रपति ट्रंप के सौजन्य से ऐसी खबरें न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे मीडिया में छपी हैं कि ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम और संवर्धित यूरेनियम (करीब 450 किग्रा.) पर कब्जा करने को सैन्य व्यूह-रचना करवा रहे हैं। यह कौन-सी कूटनीति है? अभी तक के युद्ध में तो अमरीका ईरान के परमाणु कार्यक्रम की परछाईं तक ढूंढ नहीं सका है और अब तो रूस, चीन उसे बराबर मदद दे रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप चीन गए थे, लेकिन चीन के प्रति इतना घोर अविश्वास और संदेह है कि चीन ने जो उपहार दिए थे, उन्हें हवाई अड्डे पर ही कूड़ेदान में डलवा कर नष्ट करा दिया गया। हैकिंग और जासूसी के उपकरणों का शक! चीन ने सेमीकंडक्टर चिप, दुर्लभ खनिज, बोइंग विमान, बिजली के वाहन, आपसी व्यापार समझौते आदि पर कोई ठोस बात ही नहीं की, समझौता तो दूर की कौड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप तो अपने ही ब्रह्मांड में रहते हैं, बेशक गालबजाई करते रहें कि चीन दौरा बेहद सफल रहा। हकीकत यह है कि ट्रंप चीन से खाली हाथ लौटे हैं, लिहाजा गुस्से और कुंठा में ईरान पर नए आक्रमण की बात कर रहे हैं। पेंटागन के कमांडरों को युद्ध की तैयारियां करने के अघोषित आदेश दिए जा चुके हैं। हकीकत यह भी है कि चीन और रूस की मदद से ईरान युद्ध के मोर्चे पर अब भी डटा है और पलटवार की चेतावनियां भी जारी कर रहा है। भारत में लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। शनिवार को देश के अलग-अलग हिस्सों में गिग वर्कर्स ने दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतीकात्मक हड़ताल रखी। गिग की संख्या देश भर में 1.2 करोड़ से अधिक बताई जाती है। कैब सेवाएं, ट्रक आदि ने भी हड़ताल के संकेत दिए हैं। हमारे देश में तेल कंपनियों ने 2022 के बाद पेट्रोल-डीजल के दाम 3-3 रुपए बढ़ाए हैं।

## टेक्नोलॉजी

# सोलर पैनल को एक बार लगाने से नहीं चलेगा काम, हर मौसम के हिसाब से ऐसे करें देखभाल

अगर आप सोलर एनर्जी सिस्टम लगा रहे हैं तो इसकी नियमित देखभाल जरूरी है. कंपनियां इस सिस्टम पर 20-25 साल तक की गारंटी देती है. इसलिए कई लोग सोचते हैं कि इंस्टॉल करने के बाद उनकी टेंशन खत्म हो गई है. असल में ऐसा नहीं है. बाकी एनर्जी-जनरेटिंग इक्विपमेंट की तरह सोलर पैनल समेत इस पूरे सिस्टम को मैंटेनेंस और देखभाल की जरूरत होती है. इससे न सिर्फ इसकी एफिशिएंसी बनी रहती है बल्कि कोई बड़ा नुकसान होने से पहले उसका पता भी लगाया जा सकता है. इसलिए आज हम आपको पूरे साल का प्लान बताने जा रहे हैं कि किस मौसम में सोलर एनर्जी सिस्टम का ध्यान रखना चाहिए.

गर्मी में ऐसे करें देखभाल - गर्मी में दिन लंबे हो जाते हैं और धूप भी ज्यादा तेज और कई घंटों तक रहती है, ऐसे में सोलर पैनल बिजली भी ज्यादा जनरेट करते हैं. हालांकि, टेंपरेचर ज्यादा हो जाने के कारण पैनल की एफिशिएंसी कम हो जाती है. गर्मी में आउटपुट को मॉनिटर करते रहें. अगर सिस्टम कम बिजली जनरेट कर रहा है तो यह किसी गड़बड़ के कारण हो सकता है. इसके अलावा पैनल के आसपास वेंटिलेशन होना जरूरी है. इससे ओवरहीटिंग नहीं होगी और टेंपरेचर को कुछ कम रखने में मदद मिलेगी.

मानसून - मानसून में धूप कम हो जाती है और बादलों के कारण एनर्जी जनरेशन भी कम हो जाता है. इस मौसम में माउंटिंग स्टेबिलिटी चेक कर ले. ज्यादा बारिश या तेज हवाओं के कारण पैनल का एंगल थोड़ा चेंज हो सकता है, जिस पर नजर रखना जरूरी है. अगर आप स्टोरेज के लिए बैटरी यूज कर रहे हैं तो इसके चार्ज लेवल पर भी नजर रखें. बारिश आदि के कारण अगर पावर सप्लाई नहीं आती है तो आपको बैटरी में स्टोरी बिजली की जरूरत पड़ सकती है.

सर्दी - अगर आप पहाड़ी इलाकों में रहते हैं तो बर्फबारी को देखते हुए पैनल का एंगल एडजस्ट कर लें. अगर पैनल पर बर्फ जमा हो गई है तो इसे हटाने के लिए किसी नुकीली वस्तु का इस्तेमाल न करें. बर्फबारी के बाद एक बार पैनल को जरूर चेक करें. इसके अलावा सर्दी में टेंपरेचर कम होने से बैटरी परफॉर्मेंस पर असर पड़ सकता है. इस बात का भी ध्यान रखें और बैटरी स्टोरेज को भी चेक करते रहें.

सफाई रखना है जरूरी - हर मौसम में सोलर पैनल की सफाई रखना जरूरी है. इस पर धूल-मिट्टी जमा होने या पेड़ों की टहनियों की छाया आदि आने के कारण एफिशिएंसी कम हो सकती है. इसलिए नियमित तौर पर पैनल साफ करते रहें.

## जनरल नॉलेज

# किन देशों में शिफ्ट में पढ़ी जाती है नमाज, जानें दुनिया के बड़े देशों में क्या हैं नियम?

बकरीद के त्योहार से ठीक पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक बयान ने देश में नई बहस छेड़ दी है. लखनऊ के एक कार्यक्रम में सीएम योगी ने दोटूक कहा कि अगर नमाज पढ़नी है तो मस्जिदों के अंदर शिफ्ट में पढ़िए, लेकिन सड़कों को ब्लॉक मत कीजिए. उनके इस बयान के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर दुनिया के बड़े और इस्लामिक मुल्कों में सड़कों पर नमाज पढ़ने को लेकर क्या नियम हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि कई बड़े मुस्लिम देशों में खुले या सड़क पर नमाज अदा करना न सिर्फ प्रतिबंधित है, बल्कि ऐसा करने पर भारी-भरकम जुर्माना भी भुगतना पड़ता है.

योगी आदित्यनाथ की शिफ्ट में नमाज पढ़ने की सलाह - उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क पर नमाज पढ़े जाने के मुद्दे पर बेहद तीखा और स्पष्ट रुख अपनाया. उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान सड़कों को रोकना किसी भी हाल में सही नहीं है. मुख्यमंत्री ने मुस्लिम समुदाय से अपील करते हुए कहा कि अगर मस्जिदों में जगह कम पड़ रही है, तो लोग एक के बाद एक अलग-अलग शिफ्ट में अपनी नमाज पूरी कर सकते हैं. उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि लोग प्यार से बात मानेंगे तो ठीक है, वरना प्रशासन को दूसरा तरीका अपनाना अच्छे से आता है. सड़क पर नमाज रोकने की यह कवायद सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है. दिलचस्प बात यह है कि जिस अरब क्षेत्र से इस्लाम का उदय हुआ, वहां के ज्यादातर मुस्लिम बहुल देशों में सड़कों या खुले सार्वजनिक स्थानों पर नमाज अदा करना पूरी तरह से गैरकानूनी माना गया है. इन तमाम देशों में इस तरह के सख्त कानून इसलिए बनाए गए हैं, ताकि सड़कों पर होने वाली किसी भी धार्मिक गतिविधि की वजह से आम जनता को परेशानी न हो. प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि सड़कों पर गाड़ियों का ट्रैफिक सुचारू रूप से चलता रहे और कोई जाम न लगे.

इंडोनेशिया का सख्त नियम - दुनिया में सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया की स्थिति इस मामले में बेहद स्पष्ट है. इस देश में लगभग 8 लाख से ज्यादा मस्जिदें मौजूद हैं. इसके बावजूद वहां किसी भी नागरिक को सड़क पर नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं है. सभी लोग सिर्फ मस्जिदों के अंदर जाकर ही इबादत करते हैं. इंडोनेशिया की सरकार ने आम जनता की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए नमाज के दौरान मस्जिदों में बजने वाले लाउडस्पीकरों की आवाज को भी एक तय सीमा के भीतर धीमा रखने के सख्त निर्देश जारी किए हैं, ताकि आस-पास रहने वाले दूसरे लोगों को किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो. संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भी सार्वजनिक सड़कों पर नमाज अदा करना कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है. वहां के नियम इतने कड़े हैं कि अगर कोई व्यक्ति सड़क किनारे अपनी गाड़ी रोककर नमाज पढ़ते हुए पकड़ा जाता है, तो उस पर प्रशासन की तरफ से सीधे तौर पर भारी जुर्माना ठोक दिया जाता है.

# रूस के नए 2 सीट वाले स्टील्थ फाइटर से दुनिया में हलचल, ड्रोन-कमांड वाला Su-57D बदलेगा भारत-चीन की एयर पावर बैलेंस

एजेंसी मॉस्को

रूस के Su-57 स्टील्थ फाइटर जेट के नए वेरिएंट ने हथियारों के वैश्विक बाजार का ध्यान खींचा है। रूस ने इसका एक सीमित परीक्षण किया है। इससे संकेत मिलता है कि रूस ने भविष्य के मानवयुक्त-मानवरहित हवाई युद्ध तंत्र में एक बिल्कुल नया चरण शुरू कर दिया है। पांचवीं पीढ़ी के इकोसिस्टम में इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इससे यूरेशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा पर असर होगा। खासतौर से भारत और चीन इससे प्रभावित हो सकते हैं। डिफेंस सिक्योरिटी एशिया के मुताबिक, रूस के Su-57D को मानव-मानवरहित सहयोगी अभियानों के केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। इसका विकास रूस की निर्यात महत्वाकांक्षाओं, भारत की लड़ाकू विमान आधुनिकीकरण और छठी पीढ़ी के युद्ध सिद्धांतों को लेकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा से सीधे तौर पर जुड़ा है।

Su-57 का अपग्रेड वर्जन रूसी सैन्य-संबंधी टेलीग्राम चैनलों ने इस विमान (Su-57D) को उन्नत दो सीटों वाले Su-57 संस्करण के रूप में वर्णित किया है। इसमें बेहतर स्टील्थ क्षमता, उन्नत एवियोनिक्स आर्किटेक्चर और भविष्य की जरूरत के हिसाब से युद्ध क्षमता है। चर्चा है कि रूस ने अपने इस नवीनतम स्टेल्थ विमान के विकास का पहला उड़ान चरण शुरू किया है। दो सीटों वाले पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ प्लेटफॉर्म का विकास प्रमुख सैन्य शक्तियों के बीच तेज होते सैद्धांतिक बदलाव को दिखाता है। यह बदलाव हवाई कमान संरचनाओं की ओर हो रहा है। इसमें विमान की अकेले की प्रदर्शन क्षमता के बजाय मानव-मशीन तंत्रों पर निर्भरता बढ़ने से विमान की उत्तरजीविता (सर्वाईवेबिलिटी) सुनिश्चित होती है।

हिंद-प्रशांत में महत्व डिफेंस एक्सपर्ट का मानना है कि हिंद-प्रशांत और यूरेशियाई में Su-57D की कहानी का विशेष महत्व है। यह मॉस्को के प्रयास को दिखाता है। इसके तहत वह भविष्य के स्वायत्त युद्ध वातावरण के लिए अनुकूल नेटवर्क-केंद्रित बल संरचनाओ के जरिए से पारंपरिक लड़ाकू विमानों के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में बड़ी छलांग लगाना चाहता है। रूसी रिपोर्टों से पता चलता है कि दो सीटों वाले Su-57 के इस वेरिएंट ने सत्यापित पहली उड़ान के बजाय जमीनी रोलिंग और टैक्सी परीक्षण किए हैं। टैक्सी परीक्षण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उच्च जोखिम वाली उड़ान सीमाओं के अनुमेय होने से पहले विमान के संचालन, सिस्टम एकीकरण, ब्रेकिंग प्रदर्शन और प्रारंभिक वायुगतिकीय आकलन को मान्य करता है। रूस के नए विमान का नाम रूसी विमानन रिपोर्टिंग से पता चलता है कि यह विमान पूरी तरह से नए सिरे से तैयार किए गए उत्पादन डिजाइन के बजाय पहले के प्रोटोटाइपों से विकसित एक संशोधित प्लेटफॉर्म है। रूसी चर्चाओं में इसके Su-57D, Su-57UB और Su-57ED सहित कई संभावित पदनाम सामने आए हैं। Su-57D नाम दो-सीट के लिए रूसी शब्द को संदर्भित करता है। Su-57UB पारंपरिक रूप से सोवियत और रूसी विमानन इतिहास में प्रयुक्त युद्ध प्रशिक्षण पदनामों के अनुरूप है। Su-57ED एक संभावित निर्यात-केंद्रित नाम हो सकता है जो विशेष रूप से विदेशी ग्राहकों के लिए बनाया गया है।

भारत पर कैसे होगा असर रूस ने भारत को Su-57 ग्राहक के रूप में देखा है। रूस ने स्थानीय उत्पादन, तकनीक ट्रांसफर और व्यापक औद्योगिक भागीदारी से संबंधित प्रस्तावों का विस्तार किया है, जिसमें संभावित रूप से सौ से अधिक विमान शामिल हैं। लड़ाकू विमानों की खरीद से संबंधित प्रौद्योगिकी पहुंच और एकीकरण लचीलेपन के बारे में भारत की लंबे समय से चली आ रही चिंता इससे दूर हो सकती है। Su-57 की दो-सीट वाली पहल प्रतिबंधों और युद्धकालीन दबावों के बावजूद लगातार प्रतिस्पर्धी होते जा रहे वैश्विक स्टेल्थ फाइटर बाजार में अपना प्रभाव बनाए रखने के प्रयासों को दर्शाती है। यह विशेष रूप से भारत जैसे उन देशों को लक्षित करता है, जो रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं और पश्चिमी प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम के कड़े नियंत्रण पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं।

# तुर्की की 6,000 किमी रेंज की बैलेस्टिक मिसाइल, अमेरिकी एक्सपर्ट ने भारत को चेताया, एर्दोगन करेंगे कश्मीर में गड़बड़

एजेंसी अंकारा

तुर्की ने हाल ही में इस्तांबुल में रक्षा और एयरोस्पेस प्रदर्शनी में अपनी नई यिल्दिरिमहान इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का अनावरण किया है। मिसाइल का परीक्षण इस साल के आखिर में किया जाएगा। तुर्की का कहना है कि यह मिसाइल मैक 25 की गति से 3,000 किलोग्राम वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। तुर्की के दावे सही हैं तो यह मिसाइल यूरोप, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और भारत को निशाना बना सकती है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने कहा है कि यह भारत के लिए चिंता का सबब है क्योंकि तुर्की प्रेसिडेंट रेसेप तैयप एर्दोगन ने पश्चिम एशिया से आगे बढ़ते हुए कश्मीरी अलगाववादी आंदोलन को अपना मुद्दा बना लिया है। विदेश नीति के जानकार माइकल रुबिन ने संडे गार्डियन में अपने लेख में कहा है कि भारतीय अधिकारियों को तुर्की से यह सवाल पूछना चाहिए कि उनको इतनी लंबी मारक क्षमता की मिसाइल की जरूरत क्यों है। तुर्की के प्रतिद्वंद्वी- ग्रीस, साइप्रस, इजरायल, मिस्र, आर्मेनिया और ईरान तो पहले ही उसकी टायफून मिसाइलों की मारक सीमा के भीतर आते हैं। रुबिन का कहना है कि अपनी सीमाओं के पास हमला करने के लिए ICBM विकसित नहीं की जाती है। इस बात की संभावना नहीं है कि तुर्की को आइसलैंड या इंडोनेशिया पर हमले की जरूरत पड़ेगी। नाटो सदस्य होने के नाते तुर्की को रूस का मुकाबला करने के लिए अपनी खुद की लंबी दूरी की मिसाइलें विकसित करने की जरूरत नहीं है। ऐसे में भारत ही तुर्की का संभावित लक्ष्य बचता है। रेसेप तैयप एर्दोगन ने इस्तांबुल मेयर और तुर्की के राष्ट्रपति के तौर पर खुद को 'इस्लामी शासन' को बढ़ावा देने वाले के तौर पर पेश किया है। वह खुद को शरिया का सेवक बता चुके हैं। तुर्की में मजबूत होने के बाद से एर्दोगन ने दुनिया में अपनी महत्वाकांक्षा दिखाई है। उन्होंने ना सिर्फ पश्चिम एशिया में पैर फैलाए हैं बल्कि एशिया पर भी नजर जमा रखी है। रुबिन का दावा है कि एर्दोगन की इस्लामी महत्वाकांक्षा पश्चिम एशिया से आगे बढ़ते हुए कश्मीरी अलगाववादी आंदोलन तक आ गई हैं। उनका मानना है कि कश्मीरी में अलगाववाद और आतंकवाद जायज है। साल 2020 में एर्दोगन ने जोर देकर कहा था कि कश्मीर हमारे लिए उतना ही नजदीक है जितना तुर्की हमारे लिए है। एर्दोगन ने कश्मीर को एक ज्वलंत मुद्दा बताया है। तुर्की ने कश्मीरी छात्रों को स्कॉलरशिप देना बढ़ा दिया है ताकि उन्हें तुर्की-शैली के इस्लामी विचारों में ढाला जा सके और शायद उन्हें सैन्य प्रशिक्षण भी दिया जा सके। एर्दोगन जिस तरह से नव-ओटोमनवाद को बढ़ावा देते हैं, उसी तरह वे इसमें विश्वास रखते हैं कि भारत पर मुसलमानों का शासन होना चाहिए। हालिया समय में कश्मीर को लेकर तुर्की के बयानों में नरमी देखी गई है। इसे किसी बड़े तूफान से पहले की शांति भी कहा जा सकता है। तुर्की शायद भारत पर सीधे हमला ना करे लेकिन वह पाकिस्तान की रक्षा और कश्मीर से जुड़े आतंकी गुटों के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई को रोकने के लिए अपनी मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है।

# रूस पर यूक्रेन के ड्रोन हमलों की चपेट में आए भारतीय, मॉस्को में 1 की मौत, तीन घायल

एजेंसी मॉस्को

रूस की राजधानी मॉस्को में रविवार को यूक्रेन ने भीषण हमला किया है। यूक्रेन के ड्रोन हमलों की चपेट में भारतीय भी आए हैं। इन हमलों में एक भारतीय श्रमिक की मौत हो गई है जबकि तीन अन्य घायल हुए हैं। रूस में भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि की है। दूतावास ने बताया है कि घायल श्रमिकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों से भारतीय दूतावास के अफसरों ने संपर्क साधा है। भारतीय दूतावास के अधिकारी घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचकर अस्पताल में भर्ती भारत के मजदूरों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना है। भारतीय मिशन ने मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वह स्थानीय प्रशासन और संबंधित कंपनी के संपर्क में है ताकि प्रभावित लोगों को हर जरूरी मदद दी जा सके। दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मॉस्को क्षेत्र में हुए ड्रोन हमलों में एक भारतीय श्रमिक की जान चली गई और तीन अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने घायलों से मुलाकात की है और उनको सभी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। रूसी राजधानी पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए गए हैं रूसी अधिकारियों की ओर से रविवार को आए बयान में कहा गया है कि रातभर चले हमलों में तीन लोगों की मौत हुई है और 12 से अधिक घायल हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि हमले के दौरान शहर की तेल रिफाइनरी सुरक्षित रही लेकिन कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन अपने शहरों पर हो रहे हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर रहा है। हमने रूस की आक्रामकता का जवाब दिया है। रूस की ओर से युद्ध लंबा खींचा जा रहा है और हमारे शहरों को निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों के जवाब में हमारी कार्रवाई पूरी तरह जायज है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की रूस के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि पिछले 24 घंटों में देशभर में 500 से ज्यादा यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए, जिनमें मास्को भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने मास्को क्षेत्र पर हमले को रूस की सैन्य कार्रवाई का जवाब बताया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन अपने शहरों पर हो रहे हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर रहा है और रूस को युद्ध समाप्त करना चाहिए।

जेलेंस्की ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा कि रूस की ओर से युद्ध को लंबा खींचने और हमारे शहरों पर हमलों के जवाब में हमारी कार्रवाई पूरी तरह जायज है। इस बार यूक्रेन के लंबी दूरी के ड्रोन मास्को क्षेत्र तक पहुंच गए। हम रूसियों से साफ कह रहे हैं कि ये जंग खत्म करो। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी, 2022 से लड़ाई चल रही है।

# स्वीडन पहुंचे PM मोदी का एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत, हवा में स्वीडिश लड़ाकू विमानों ने किया 'सलाम'

एजेंसी स्टॉकहोम

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को स्वीडन के दौरे पर पहुंच गए हैं। नीदरलैंड की यात्रा पूरी करने के बाद वह स्वीडन पहुंचे हैं। पीएम मोदी स्वीडन के गोथेनबर्ग हवाई अड्डे पर उतरे। नरेंद्र मोदी का स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इससे पहले स्वीडन के एयर स्पेस में स्वीडन में प्रवेश करते समय स्वीडिश ग्रिपेन लड़ाकू विमानों ने पीएम मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया। नरेंद्र मोदी छह दिन की विदेश यात्रा पर हैं। पीएम नरेंद्र मोदी इस समय पांच देशों की यात्रा पर हैं। मोदी ने अपने दौरे की शुरुआत शुक्रवार को यूएई की विजिट के साथ की थी। इसके बाद वह नीदरलैंड गए और रविवार को यात्रा के तीसरे पड़ाव पर स्वीडन पहुंचे हैं। पीएम मोदी 17 से 18 मई तक स्वीडन में रहेंगे। स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन के निमंत्रण पर मोदी यह दौरा कर रहे हैं। स्वीडन के बाद वह नॉर्वे और इटली जाएंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी की स्वीडन की यह यात्रा आठ साल बाद हो रही है। इससे पहले उन्होंने 2018 में पहले इंडिया-नॉर्डिक समिट के दौरान स्वीडन का दौरा किया था। इस दौरे पर भारत और स्वीडन के बीच ग्रीन ट्रांजिशन, डिफेंस, व्यापार, निवेश और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अहम समझौते होने की उम्मीद है।

पीएम नरेंद्र मोदी स्वीडन में ईयू प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ यूरोपीय बिनेस लीडर्स के एक फोरम को संबोधित करेंगे। इस यात्रा के दौरान नरेंद्र मोदी भारत और स्वीडन व्यापार, इनोवेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती टेक्नोलॉजी पर व्यापक चर्चा करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के संबंधों को बेहतर करने पर बात होगी। पीएम मोदी के इस दौरे में भारत को स्वीडन के माध्यम से यूरोपीय संघ के साथ अपने जुड़ाव की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा। नरेंद्र मोदी स्वीडन के क्रिस्टर्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसमें द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे को शामिल किया जाएगा। बैठक में व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वीडन के लिए रवाना होते हुए नीदरलैंड में मिले सम्मान के लिए धन्यवाद कहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और नीदरलैंड के संबंधों को नई गति मिली है। दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के साथ जल संसाधन, सेमीकंडक्टर, रक्षा, सतत विकास और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए भविष्य की एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा तैयार की है।

# FBI जेट, 50000 डॉलर का सुइट, काश पटेल ने गर्लफ्रेंड को म्यूजिक कंसर्ट दिखाने के लिए दिया लग्जरी ट्रीटमेंट, विवाद

एजेंसी वॉशिंगटन

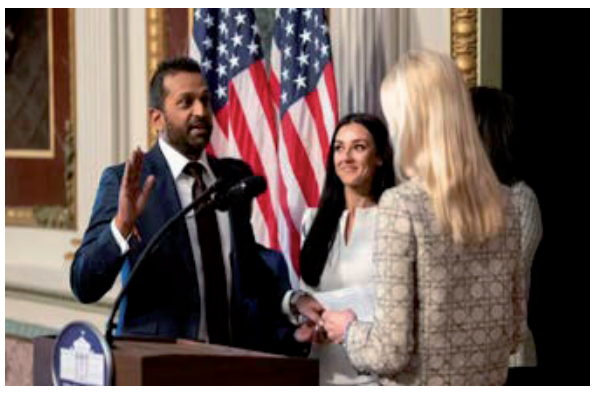

अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी FBI के डायरेक्टर एक बार फिर विवादों के घेरे में हैं। भारतीय मूल के काश पटेल पर आरोप है कि उन्होंने अपनी आधिकारिक यात्रा को गर्लफ्रेंड के साथ लग्जरी टूअर में बदल दिया। पटेल पर ब्यूरो के संसाधनों को निजी काम के लिए इस्तेमाल करने को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। पटेल पर अपनी गर्लफ्रेंड को एक म्यूजिक कंसर्ट में ले जाने के लिए FBI के जेट प्लेन का इस्तेमाल करने का आरोप है। 46 साल के काश पटेल ने 10 मई 2025 को अपनी 27 वर्षीय गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विलकिंस के साथ FBI के गल्फस्ट्रीम वी जेट वॉशिंगटन से फिलाडेल्फिया तक उड़ान भरी। पटेल वहां एक म्यूजिक कंसर्ट में शामिल होने गए थे और उसी रात वापस लौट आए।

रिपोर्ट के अनुसार, इस जोड़े ने 35000 से 50000 डॉलर की कीमत वाले एक प्राइवेट सुइट से जॉर्ज स्ट्रेट और क्रिस स्टेपलटन का परफॉर्मेंस देखा। इस दौरान FBI की फ्लाइट का क्रू और सुरक्षाकर्मी पटेल और उनकी गर्लफ्रेंड के इंतजार में रात 11 बजे तक ड्यूटी पर तैनात रहे। इस दौरान उन्हें ओवरटाइम का भुगतान दिया गया। पटेल ने इन आरोपों पर न्यूयॉर्क टाइम्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। ये आरोप पटेल की यात्राओं और FBI के संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर विवादों को बढ़ाने वाले हैं। उनकी आधिकारिक यात्राओं में उनके गर्लफ्रेंड के शामिल होने को लेकर रिपोर्टों में चिंता जताई गई है।

इसके कुछ दिन पहले ही पटेल पर्ल हार्बर में मेमोरियल के पास VIP स्नोर्कल सैर को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। इस जगह पर 1941 के हमले में मारे गए अमेरिकी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। समाचार एजेंसी की इस रिपोर्ट में किए दावे का FBI के प्रवक्ता बेन विलियमसन ने खंडन किया था। उन्होंने X पर लिखा कि एपी ने इस यात्रा को गलत तरीके से पेश किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एक आधिकारिक यात्रा थी।

# अंटार्कटिका से कैसे अलग हुआ था भारत, लाखों वर्ष पुरानी चट्टानों के अध्ययन से खुलासा

एजेंसी सियोल

भारत लाखों साल पहले अंटार्कटिका का हिस्सा हुआ करता था। वैज्ञानिकों ने एक नई स्टडी में पाया है कि लाखों साल पहले ये महाद्वीप एक-दूसरे से अलग हुए थे, उससे पहले भारत और अंटार्कटिका एक विशाल प्राचीन पर्वत श्रृंखला के जरिए आपस में जुड़े हुए थे। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम-सालूर इलाके की प्राचीन चट्टानों के अध्ययन से पता चलता है कि उनमें और पूर्वी अंटार्कटिका में पाई जाने वाली चट्टानों में काफी समानता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन नतीजों से इस बात की पुष्टि होती है कि पूर्वी भारत और अंटार्कटिका कभी एक ही भूवैज्ञानिक प्रणाली का हिस्सा थे, जिसे रेनर ईस्टर्न घाट ओरोजेन कहा जाता है। यह रिसर्च भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने की है। उन्होंने ग्रैनुलाइट का अध्ययन किया, जो एक तरह की मेटामॉर्फिक चट्टानें हैं। ये पृथ्वी के बहुत अंदर बहुत ज्यादा गर्मी और दबाव में बनती हैं। ये चट्टानें उन घटनाओं के सुराग सहेजकर रखती हैं, जो अरबों साल पहले हुई थीं। कोलकाता की प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी में प्राकृतिक और गणितीय विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर शंकर बोस ने बताया कि रिसर्च टीम ने जिरकॉन, गार्नेट और मोनाजाइट जैसे खनिजों का विश्लेषण करने के लिए खनिज परीक्षण की आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया। भूविज्ञान संकाय के एक सदस्य ने बताया कि जिरकॉन अपनी मजबूती के लिए जाना जाता है। यह बहुत गर्मी और दबाव में टिका रहता है, जबकि दूसरे खनिज नष्ट हो जाते हैं। अपनी इसी मजबूत प्रकृति के कारण जिरकॉन इन चट्टानों के भीतर एक छोटे टाइम कैप्सूल की तरह काम करता है। जिरकॉन क्रिस्टल के भीतर यूरेनियम और लेड जैसे रेडियोधर्मी तत्वों के क्षय का अध्ययन किया गया। इससे उन घटनाओं की सटीक जानकारी मिली, जो करोड़ों से लेकर अरबों साल पहले पूर्वी घाट क्षेत्र में घटित हुई थीं। आंध्र प्रदेश और पूर्वी अंटार्कटिका की चट्टानें वैज्ञानिकों ने पाया कि आंध्र प्रदेश और पूर्वी अंटार्कटिका की चट्टानों की उम्र, खनिजों की बनावट और रासायनिक विशेषताएं एक जैसी हैं। इन दोनों ही क्षेत्रों में भूवैज्ञानिक विकास के तीन प्रमुख चरणों के एक जैसे प्रमाण मिले हैं। बोस ने कहा कि विजयनगरम और सालुर की चट्टानों ने भूवैज्ञानिक इतिहास के उन्हीं तीन मुख्य चरणों को दर्ज किया है, जिनकी पहचान पहले ही पूर्वी अंटार्कटिका में की जा चुकी है। अध्ययन के अनुसार, पहला चरण 1,000 से 990 मिलियन वर्ष पहले हुआ था, जब एक बड़े महाद्वीपीय टकराव के दौरान चट्टानें 1,000 डिग्री सेल्सियस के करीब तापमान के संपर्क में आई थीं। इससे विशाल पर्वत श्रृंखला का निर्माण हुआ। दूसरा चरण 950 से 890 मिलियन वर्ष के बीच हुआ, उसमें चट्टानों के अंदर अधिक गर्मी और संरचनात्मक परिवर्तन शामिल थे। आखिरी यानी तीसरा चरण 570 से 540 मिलियन वर्ष पहले हुआ, जब खनिज समृद्ध तरल पदार्थ चट्टानों की दरारों से होकर गुजरे और एक विशिष्ट रासायनिक निशान छोड़ गए, जो भारत और अंटार्कटिका दोनों में हैं। गोंडवाना टूटने से भारत और अंटार्कटिका अलग हुए वैज्ञानिकों का मानना है कि गोंडवाना के टूटने से भारत और अंटार्कटिका अलग हो गए। ये दोनों भूभाग तब तक आपस में जुड़े रहे, जब तक कि 130 से 150 मिलियन वर्ष पहले सुपरकॉन्टिनेंट गोंडवाना टूटना शुरू नहीं हो गया। जैसे-जैसे भारतीय प्लेट उत्तर की ओर एशिया की तरफ खिसकी और अंटार्कटिका दक्षिण की ओर बढ़ा, आपस में जुड़ी हुई पर्वत श्रृंखला टूटकर अलग हो गई। आज ये क्षेत्र हजारों किलोमीटर लंबे महासागर से अलग किए गए हैं लेकिन चट्टानें अभी भी अपने साझा भूवैज्ञानिक अतीत के प्रमाण सहेजकर रखे हुए हैं।

# एलएसजी के खिलाफ करो या मरो मुकाबले में हर विभाग में सुधार करना होगा राजस्थान रॉयल्स को

जयपुर, एजेंसी | राजस्थान रॉयल्स को अगर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखना है तो उसे लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में खेल के हर विभाग में सुधार करना होगा।

रॉयल्स ने अपने घरेलू मैदान सवाई मानसिंह स्टेडियम में अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और यहां होने वाला अंतिम मैच घरेलू टीम के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रॉयल्स इसके बाद लीग चरण के अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस का सामना करेगा।

रॉयल्स को रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ निचले क्रम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों की खराब प्रदर्शन के कारण हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा उसकी फील्डिंग भी अच्छी नहीं रही थी।

रॉयल्स की टीम अच्छी शुरुआत के लिए 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर काफी हद तक निर्भर रही है, लेकिन इस युवा खिलाड़ी को दूसरे छोर से यशस्वी जायसवाल से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला है।

ध्रुव जुरेल ने कुछ शानदार पारियां खेली हैं, लेकिन पिछले मैच में उन्होंने कुछ धीमी पारी खेली जबकि दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। कप्तान रियान पराग ने हाल के मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह चाहेंगे कि उनकी टीम आखिरी पांच ओवरों में बल्लेबाजी में और अधिक सटीक प्रदर्शन करे।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में अधिकतर टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं रही है और उन्होंने कई कैच छोड़े हैं। राजस्थान रॉयल्स भी इन टीमों में शामिल है जिसने कुछ अच्छे मौके गंवाए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद पराग ने टूर्नामेंट के अंतिम चरण में टीम के अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाने पर निराशा व्यक्त की थी।

पराग ने कहा, ''फील्डिंग खराब थी। अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो हमें शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में नहीं होना चाहिए। अब अगर हम क्वालीफाई नहीं कर पाते हैं तो यह हमारी गलती होगी किसी और की नहीं।''

एलएसजी की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। वह अब बिना किसी दबाव के खेल रही है जिसका नमूना पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली जीत में देखने को मिला। उसे राजस्थान रॉयल्स के बाद अपने आखिरी लीग मैच में पंजाब किंग्स का सामना करना है। उसकी टीम इन दोनों टीमों के समीकरण बिगाड़ने के लिए प्रतिबद्ध होगी। बल्लेबाजी एलएसजी की सबसे कमजोर कड़ी रही है, लेकिन मिचेल मार्श ने सीएसके के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया जिससे टीम जीत हासिल करने में सफल रही। वह अपना इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखकर इस सत्र का सकारात्मक अंत करना चाहेगी।

**टीम इस प्रकार हैं: राजस्थान रॉयल्स:** शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, रियान पराग (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, सुशांत मिश्रा, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, युध्दवीर चरक, रवि सिंह, विग्नेश पुथुर, ब्रिजेश शर्मा।

**लखनऊ सुपर जाइंट्स:** ऋषभ पंत (कप्तान), अब्दुल समद, आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज़ अहमद, अवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, मयंक प्रभु यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिक नोर्किया, जोश इंग्लिस, मोहसिन खान, नमन तिवारी, आकाश महाराज सिंह, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन सचिन तेंदुलकर, अक्षत रघुवंशी। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

# चेपॉक में धोनी के सामने हारी चेन्नई, प्लेऑफ की उम्मीदें धूमिल; हैदराबाद ने कर लिया क्वालीफाई

नई दिल्ली, एजेंसी | चेपॉक में IPL 2026 का 63वां मैच चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया. मुकाबले में एमएस धोनी भी मैदान पर आए थे. यह सीजन में चेन्नई का घरेलू मैदान पर आखिरी मैच था. इस खास मुकाबले में सीएसके को धोनी के सामने 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. वहीं जीत हासिल करने वाली हैदराबाद ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया. इसके साथ गुजरात टाइटंस ने भी प्लेऑफ के लिए क्लीफाई कर लिया है. चेन्नई की प्लेऑफ की उम्मीदें धूमिल हो गईं.

मुकाबले चेन्नई ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 20 ओवर में 7 विकेट पर 180 रन बोर्ड पर लगाए. चेज करते हुए हैदराबाद ने 19 ओवर में जीत हासिल कर ली.

हैदराबाद को जीत दिलाने में ईशान किशन में अहम योगदान दिया. उन्होंने चेज में टीम के लिए 47 गेंदों में 7 चौके और 3 छक्कों की मदद से 70 रनों की सबसे बड़ी पारी खेली.

इसके अलावा हेनरिक क्लासेन ने 26 गेंदों में 6 चौके और 2 छक्के लगाकर 47 रन बनाए. दोनों खिलाड़ी ने तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 75 रनों की साझेदारी करके अहम योगदान दिया.

### प्लेऑफ के लिए मिल गई 3 टीमें, एक स्लॉट बाकी

प्लेऑफ के लिए सबसे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने क्वालीफाई किया था. अब हैदराबाद और गुजरात ने भी टॉप-4 में खुद को काबिज कर लिया है. यहां से पांच टीमों के बीच प्लेऑफ के 1 स्लॉट के लिए लड़ाई होगी. लड़ाई करने वाली टीमों में पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स शामिल है.

बाकी 5 टीमों में से फिलहाल पंजाब के पास सबसे ज्यादा 13 प्वाइंट्स हैं. राजस्थान, चेन्नई और दिल्ली 12-12 प्वाइंट्स के साथ टेबल में मौजूद हैं. वहीं कोलकाता के पास 11 प्वाइंट्स हैं.

पंजाब को 1 मैच और खेलना है, जिससे टीम 15 प्वाइंट्स तक पहुंच पाएगी. राजस्थान को 2 मैच खेलने हैं, जिससे टीम 16 प्वाइंट्स तक जा सकती है.

चेन्नई और दिल्ली को 1-1 मैच खेलना है, जिसमें जीत हासिल करके दोनों टीमें 14-14 प्वाइंट्स तक पहुंच सकती हैं.

कोलकाता को 2 मैच खेलने हैं, जिसके साथ टीम 15 प्वाइंट्स तक पहुंच पाएगी. अब देखना दिलचस्प होगा कि आखिरी स्लॉट में कौन सी टीम अपनी जगह बनाती है.

# ललथांतलुआंगी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुना गया, सलीमा टेटे टीम की कप्तानी करेंगी

नयी दिल्ली, एजेंसी | अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए सोमवार को यहां चुनी गयी भारतीय महिला टीम में पहली बार फॉरवर्ड ललथांतलुआंगी को मौका मिला है।

पर्थ में 26 से 30 मई तक होने वाला यह दौरा एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप 2025-26 की तैयारियों का अहम हिस्सा माना जा रहा है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 15 से 21 जून के बीच ऑकलैंड में आयोजित होगा। भारतीय टीम इस दौरे में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतर रही है। इसी वर्ष अर्जेंटीना दौरे पर टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए चार मैचों की श्रृंखला में दो मुकाबले

अपने नाम किए थे।

सलीमा टेटे के नेतृत्व में टीम को अनुभव और युवा जोश का संतुलित मिश्रण मिलेगा। 2022 राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता सलीमा के साथ सविता, सुशीला चानू पुखरामबाम, लालरेमसियामी और नवनीत कौर जैसी अनुभवी खिलाड़ी मौजूद रहेंगी। वहीं सोनम, हीना बानो और ललथांतलुआंगी जैसे युवा चेहरे भी अपनी प्रतिभा दिखाने को तैयार हैं।

सविता और बिचू देवी खारीबाम गोलकीपिंग विभाग में टीम की मजबूत दीवार होंगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान, ईशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबाम, ललथांतलुआंगी और ज्योति के साथ शिल्पी डबास को भी पहली बार सीनियर टीम में मौका मिला है।

मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने टीम चयन पर संतोष जताते हुए कहा, '' अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलन को ध्यान में रखकर टीम तैयार की गई है। कुछ खिलाड़ियों को पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अवसर मिलेगा और ऐसे मुकाबले ही खिलाड़ियों को निखारने का सबसे बेहतर मंच साबित होते हैं।''

इस दौरे के मैच 26, 27, 29 और 30 मई को होने हैं।

भारत टीमःगोलकीपरः सविता, बिचू देवी खारीबाम। डिफेंडरः निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरंबम, लालथंतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास। मिडफील्डरः सलीमा टेटे, लालरेम्सियामी, नेहा, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग, सोनम। फॉरवर्डः नवनीत कौर, बलजीत कौर, दीपिका, अन्नू, इशिका, हिना बानो, रुतुजा दादासो पिसल।

## व्यापार

# अमित शाह बोले- डेयरी सेक्टर ने बदली महिलाओं की जिंदगी, रोज खाते में आते हैं 200 करोड़ रुपये

**केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर में कहा कि डेयरी क्षेत्र के विस्तार ने महिलाओं का जीवन बदल दिया है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने 'श्वेत क्रांति 2.0' के तहत दुग्ध उत्पादन को तीन गुना करने की सरकारी योजना पर प्रकाश डालते हुए इसे महिला सशक्तीकरण की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया।**

नई दिल्ली, एजेंसी | केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि डेयरी क्षेत्र के व्यापक विस्तार से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है और 'श्वेत क्रांति 2.0' से दुग्ध उत्पादकों की आय में और वृद्धि होगी। शाह गांधीनगर जिले के दशीला गांव में स्थित मधुर डेयरी के अत्याधुनिक दूध प्रसंस्करण और पैकेजिंग संयंत्र का उद्घाटन करने के लिए यहां आए थे। यह डेयरी अमूल ब्रांड के तहत गुजरात सहकारी दुग्ध वितरण संघ (जीसीएमएमएफ) से संबद्ध है। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र की प्रगति का सबसे अधिक लाभ महिलाओं को मिला है।

शाह ने कहा, "चार समितियों, 6,000 लीटर दूध और मात्र 7,000 रुपये के कारोबार से शुरू हुई यह यात्रा आज सात लाख करोड़ रुपये के कारोबार तक पहुंच चुकी है। यह हमारी सहकारी व्यवस्था की सबसे बड़ी सफलता है।" उन्होंने कहा कि इस पहल से पशुपालकों की आय बढ़ी है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि महिलाओं का सशक्तीकरण है। शाह ने कहा कि डेयरी क्षेत्र से महिलाओं के जीवन में गहरा बदलाव आया है और 'श्वेत क्रांति 2.0' के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले 10 वर्षों में देश के दुग्ध उत्पादन को तीन गुना करने की रणनीति तैयार की है। उन्होंने कहा, "मैं यह कहना चाहूंगा कि अमूल और गुजरात के पूरे डेयरी उद्योग ने वैश्विक प्रौद्योगिकियों को सफलतापूर्वक अपनाकर पशुपालकों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही ऐसा मजबूत तंत्र विकसित किया है, जिससे यह लाभ सीधे महिलाओं के बैंक खातों में पहुंच सके।"

शाह ने कहा कि अमूल और उससे जुड़ी डेयरियों ने विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति की है और इन प्रयासों का पूरा लाभ सीधे दुग्ध उत्पादकों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा, यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया, "गुजरात में इस क्षेत्र से 36 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं और प्रतिदिन तीन करोड़ लीटर दूध के उत्पादन के जरिये हर दिन 200 करोड़ रुपये सीधे इन महिलाओं के खातों में जमा किए जाते हैं।

# टीवीएस मोटर का बैंकिंग सेक्टर में बड़ा दांव, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक में खरीदेगी 4.9% हिस्सेदारी

**टीवीएस मोटर कंपनी 193.32 करोड़ रुपये में जन स्मॉल फाइनेंस बैंक में 4.9 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी, जो वित्तीय सेवा क्षेत्र में कंपनी के रणनीतिक निवेश को दर्शाता है। यह सौदा 'टीवीएस वेणु' द्वारा बैंक में 9.9 प्रतिशत तक की अल्पांश हिस्सेदारी हासिल करने की एक बड़ी योजना का हिस्सा है।**

नई दिल्ली, एजेंसी | टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड 193.32 करोड़ रुपये में जन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड में 4.9 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह अधिग्रहण 'टीवीएस वेणु' के एक सौदे का हिस्सा है। इसके तहत वॉरंट जारी करने और द्वितीयक बाजार से खरीद के जरिये जन स्मॉल फाइनेंस बैंक में पूर्ण रूप से चुकता आधार पर 9.9 प्रतिशत तक की अल्पांश हिस्सेदारी हासिल की जाएगी। इसमें से 4.9 प्रतिशत हिस्सेदारी टीवीएस मोटर कंपनी के पास होगी।

टीवीएस मोटर कंपनी के निदेशक मंडल ने सोमवार को हुई बैठक में जन होल्डिंग्स लिमिटेड के साथ शेयर खरीद समझौते (एसपीए) को मंजूरी दी। इसके तहत कंपनी 51,60,903 इक्विटी शेयरों की खरीद करेगी, जो 18 मई, 2026 तक जन स्मॉल फाइनेंस बैंक की चुकता पूंजी का 4.90 प्रतिशत है। कंपनी ने बताया कि इस सौदे की कुल लागत 193.32 करोड़ रुपये होगी। टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेंकटरमन ने कहा कि जन में यह निवेश टीवीएस वेंचर्स की दीर्घकालिक रणनीति के अनुरूप है, जिसके तहत भारत की बढ़ती वित्तीय जरूरतों को पूरा करने वाली उच्च गुणवत्ता वाली इकाइयों का समर्थन किया जाता है।

# होर्मुज जलडमरूमध्य में भारी तनाव के बीच भारत की बड़ी कामयाबी, कतर से 20,000 टन एलपीजी लेकर पहुंचा पोत

**पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, कतर से 20,000 टन एलपीजी लेकर एक जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गुजरात के कांडला बंदरगाह पहुंच गया है, जो भारत की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला की निरंतरता को दर्शाता है। यह घटना इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों और नौवहन की स्वतंत्रता को लेकर बनी गंभीर चिंताओं के बीच हुई है।**

नई दिल्ली, एजेंसी | पश्चिम एशिया संकट के बीच कतर से 20,000 टन तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर चला एक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गुजरात के कांडला स्थित दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण पहुंच गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मार्शल आइलैंड के ध्वज वाला पोत 'एमवी सिमी' कतर से रवाना हुआ था और 13 मई को होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने के बाद शनिवार रात करीब 11:30 बजे कांडला बंदरगाह पर पहुंचा।

अधिकारियों के अनुसार, मार्च की शुरुआत से अबतक 13 भारतीय ध्वज वाले जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं। इनमें 12 एलपीजी टैंकर और एक कच्चा तेल ले जाने वाला जहाज शामिल है। ओमान तट के निकट स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम समुद्री मार्ग माना जाता है, जहां से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण इस समुद्री मार्ग पर गंभीर असर पड़ा है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई शुरू हुई, जिससे हाल के दशकों के सबसे बड़े ऊर्जा संकट में से एक पैदा हो गया।

संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (यूएनईसीओएसओसी) की ऊर्जा एवं आपूर्ति प्रवाह सुरक्षा पर आयोजित विशेष बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथनेनी हरीश ने कहा कि होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना, चालक दल की सुरक्षा को खतरे में डालना और नौवहन की स्वतंत्रता में बाधा पहुंचाना अस्वीकार्य है। इस बीच, 13 मई को ओमान तट के पास एक भारतीय ध्वज वाले वाणिज्यिक पोत पर हमला हुआ था। ओमान के अधिकारियों ने सोमालिया से आ रहे उस पोत के सभी 14 चालक दल सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया। हालांकि, हमला किसने किया, इसका तत्काल पता नहीं चल सका।

## भारतीय शेयर बाजार विभिन्न झटकों को झेलने में सक्षमः सेबी चेयरमैन

**भुवनेश्वर, एजेंसी** | बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव बढ़ा है, लेकिन भारतीय शेयर बाजार 'विभिन्न तरह के झटके झेल पाने' में सक्षम हैं।

पांडेय ने यहां आयोजित 'क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता संगोष्ठी' के इतर संवाददाताओं से कहा कि दुनिया के किसी भी हिस्से में पैदा होने वाले संकट का असर अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ता है।

उन्होंने कहा, ''पश्चिम एशिया के मौजूदा संघर्ष से तेल आपूर्ति श्रृंखला और कीमतें प्रभावित हुई हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई का जोखिम बढ़ा है।''

उन्होंने कहा, "इस स्थिति का असर सभी अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा है और आगे चलकर इसके प्रभाव का प्रसार और परवर्ती प्रभाव भी देखने को मिलेंगे।"

## कान्स फिल्म फेस्टिवल

# बनारसी साड़ी में रेड कार्पेट पर उतरीं हुमा कुरैशी, खींचा सबका ध्यान

बॉलीवुड डेस्क। मुंबई इन दिनों भारतीय अभिनेत्रियां कान्स फिल्म फेस्टिवल में वेस्टर्न ड्रेसेस में अपना जलवा बिखेर रही हैं, वहीं अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपने भारतीय लुक से सभी को हैरान कर दिया। शनिवार को हुमा ने सोशल मीडिया पर अपने कान्स का लुक शेयर किया, जिसमें वे पारंपरिक बनारसी साड़ी में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपने लुक को सुनहरे रंग की पारंपरिक ज्वेलरी और हल्के मेकअप के साथ पूरा किया।

अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, बनारस के घाटों से लेकर फ्रेंच रिवेरा तक। एक ऐसा बुना हुआ परिधान पहनने में कुछ बेहद खास बात है, जो ऐसा महसूस कराता है मानो उसने सदियों का सफर तय किया हो। हुमा कुरैशी ने फ्रांस में अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि जहां चारों ओर सिनेमा और कहानियों का बोलबाला है, वहां कुछ ऐसा पहनना जो अपने आप में ही एक कहानी बयां करता हो, एक बेहद ही अलौकिक अनुभव है।

उन्होंने लिखा, मुझे इसकी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि यह एक ही समय में दो अलग-अलग रूपों को अपने अंदर समेटे हुए है। एक तरफ इसमें बनारसी बुनाई का पुराना और पारंपरिक अंदाज है, तो दूसरी तरफ इसके डिजाइनों में एक नयापन और आधुनिक टच देखने को मिलता है, जो इसे अनोखा बनाता है। विदेशी सरजमीं पर उनके इस देसी अंदाज ने न सिर्फ सबका ध्यान खींचा, बल्कि सोशल मीडिया पर भी खूब सुर्खियां बटोरी। ताहिरा कश्यप, गायिका अकाशा और अभिनेत्री तिलोतमा समेत कई सेलेब्स ने कमेंट सेक्शन में प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने जल्द ही यश की बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में नजर आएंगी। इस फिल्म में अभिनेत्री एलिजाबेथ का किरदार निभा रही हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका लुक बेहद रहस्यमयी, शाही और खामोश खतरे से भरपूर है।

यह फिल्म 1940 से 1970 के दशक के बीच गोवा पर आधारित एक डार्क गैंगस्टर ड्रामा है। इसमें क्राइम सिंडिकेट्स, ड्रग तस्करी और सत्ता की लड़ाई दिखाई जाएगी। इस फिल्म में यश के साथ फिल्म में कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मणी वसंत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

## इमोशनल सपोर्ट सायली-सचिन के रिश्ते की असली ताकत - नेहा हरसोरा

अभिनत्री नेहा हरसोरा इन दिनों स्टार प्लस पर प्रसारित धारावाहिक उड़ने की आशा में नजर आ रही हैं। वह सीरियल में सायली का मुख्य किरदार निभा रही हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने निजी जीवन की पसंद-नापसंद के बारे में बताया। धारावाहिक उड़ने की आशा में नेहा के सायली और सह-कलाकार कंवर ढिल्लन के सचिन की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है। आईएएनएस ने अभिनेत्री से पूछा, सचिन और सायली परिवार की हर मुश्किल का सामना मिलकर करते नजर आते हैं। क्या आपको लगता है कि अब उनका रिश्ता एक भावनात्मक साझेदारी भी बन गया है? अभिनेत्री ने कहा, सच तो यह है कि सचिन और सायली शुरू से ही एक-दूसरे के लिए भावनात्मक रूप से खड़े रहे हैं। हालांकि, उनकी पहली प्राथमिकता हमेशा उनका परिवार ही रहा है। चाहे परिवार के सदस्यों ने उनके साथ कैसा भी बर्ताव क्यों न किया है, सायली और सचिन के लिए उनके माता-पिता और भाई-बहन हमेशा मायने रखते हैं।

शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल और गर्मी के बीच तालमेल बिठाने पर नेहा कहती हैं, यह वाकई बहुत मुश्किल है। शहर में विकास कार्यों और फ्लाईओवर्स की वजह से पेड़ों की कटाई हुई है, जिससे गर्मी और बढ़ गई है। काफी बार छांव में खड़े रहना भी मुश्किल हो जाता है। इस गर्मी में बचने का कोई रास्ता नहीं है। बस अपने शरीर में पानी की कमी न होने दें, खूब सारा पानी पिएं और जब भी मुमकिन हो, ठीक से आराम करें।

गर्मी की छुट्टियों के नाम पर अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें सबसे पहले मां की याद आती है। उन्होंने कहा, गर्मी का असर अब उनकी भूख पर भी देखने को मिलती है। इस मौसम में लोग जल्दी कमजोरी महसूस करने लगते हैं। ऐसे में बहुत भारी वर्कआउट के बजाय हल्की-फुल्की एक्सरसाइज और योग शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त है।

आईएएनएस ने अभिनेत्री से पूछा कि अगर आपको अपने किसी को-स्टार के साथ गर्मियों की एक परफेक्ट छुट्टी प्लान करनी हो, तो आप किसे चुनेंगी और कहां जाएंगी?

अभिनेत्री ने तुरंत अपनी दोस्त रिया का नाम लिया। उन्होंने कहा, जहां तक जगह की बात है, सच कहूं तो अभी मैं किसी लंबी यात्रा के बारे में सोच भी नहीं पा रही हूं। मुंबई ही मुझे आरामदायक लगता है क्योंकि मुझे रोजाना यहां रहने की आदत हो गई है।

# ऑडिशन की लाइन से स्टारडम तक, प्यार का पंचनामा ने बदली नुसरत भरूचा की किस्मत

**नुसरत भरूचा का जन्म 17 मई 1985 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी और इसी वजह से उन्होंने बहुत कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। उनके करियर की शुरुआत साल 2002 में टीवी शो किट्टी पार्टी से हुई थी। इस शो में उनका रोल छोटा था, लेकिन कैमरे के सामने काम करने का यह उनका पहला अनुभव था।**

मुंबई बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने छोटे-छोटे रोल और लंबे संघर्ष के बाद इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बनाई, लेकिन उनकी किस्मत का असली मोड़ एक फिल्म से आया, जिसके लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। कई ऑडिशन और टेस्ट के बाद जब उन्हें प्यार का पंचनामा में मौका मिला तो उसी फिल्म ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी और उन्हें एक नई पहचान दिलाई। नुसरत भरूचा का जन्म 17 मई 1985 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी और इसी वजह से उन्होंने बहुत कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। उनके करियर की शुरुआत साल 2002 में टीवी शो किट्टी पार्टी से हुई थी। इस शो में उनका रोल छोटा था, लेकिन कैमरे के सामने काम करने का यह उनका पहला अनुभव था। इसके बाद वह टीवी शो सेवन में भी नजर आईं, जहां उन्हें लीड रोल मिला, हालांकि टीवी पर उन्हें बड़ी पहचान नहीं मिल पाई और उन्होंने फिल्मों की ओर रुख कर लिया।

साल 2006 में नुसरत ने फिल्म जय संतोषी मां से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा मौका थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने लव सेक्स और धोखा जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें लगातार संघर्ष और असफलताओं का सामना करना पड़ा। वह इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए लगातार ऑडिशन देती रहती थी।

नुसरत के करियर का सबसे बड़ा मोड़ फिल्म प्यार का पंचनामा से आया लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। इस रोल के लिए कई एक्ट्रेसेस के ऑडिशन हुए थे और नुसरत को भी कई टेस्ट देने पड़े थे। काफी मेहनत और स्क्रीन टेस्ट के बाद उन्हें यह किरदार मिला। जब फिल्म रिलीज हुई, तो उनकी एक्टिंग और स्क्रीन प्रजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। यह फिल्म हिट साबित हुई और यहीं से नुसरत को असली पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने प्यार का पंचनामा 2 में भी काम किया। यह भी बड़ी सफल साबित हुई। आगे चलकर सोनू के टीटू की स्वीटी फिल्म ने उन्हें और भी लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद नुसरत ने ड्रीम गर्ल, जनहित में जारी, राम सेतु, सेल्फी और छोरी जैसी फिल्मों में भी काम किया। इन फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। नुसरत भरूचा ने अपने करियर में कई रिजेक्शन देखे, ऑडिशन दिए और संघर्ष किया, लेकिन हर बार खुद को बेहतर बनाया। आज नुसरत उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपने दम पर सफलता हासिल की है।

# तान्या मित्तल ने कहा- 'मां है ना' में मां के साथ बिताया खास समय, रोज़मर्रा की जिंदगी में नहीं मिल पाता ऐसा मौका

जी5 अपने आगामी रियलिटी शो 'मां है ना' का प्रीमियर करने के लिए तैयार है, जिसे शिल्पा शेट्टी होस्ट करेंगी। इस शो में 'बिग बॉस 19' की लोकप्रिय प्रतिभागी तान्या मित्तल और अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया अपने-अपने परिवार के सदस्यों के साथ नजर आएंगी।

तान्या मित्तल अपनी मां सुनीता मित्तल के साथ नजर आएंगी, जो टेलीविजन पर उनकी पहली उपस्थिति होगी। इसमें उर्वशी अपने बेटे क्षितिज ढोलकिया के साथ नजर आएंगी।

तान्या मित्तल के लिए यह अनुभव भावनात्मक होने के साथ-साथ बेहद निजी भी रहा है। उन्होंने कहा, हम कितने भी आत्मनिर्भर क्यों न हो जाएं, हमेशा कोई न कोई ऐसा व्यक्ति होता है, जिसके पास हम सुकून पाने के लिए लौटते हैं और मेरे लिए वह मेरी माँ हैं। 'मां है ना' मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि इसमें परिवार के असली पल, हंसी-मजाक, छोटी-मोटी तकरार, दिल को छू लेने वाली बातें और वह सब दिखाया गया है, जो लोगों को एक-दूसरे के और करीब लाता है। इस शो की वजह से मुझे और मेरी मां को साथ समय बिताने का मौका मिला, जो हमें रोजमर्रा की जिंदगी में आमतौर पर नहीं मिल पाता। यह मेरे लिए बहुत खास अनुभव है, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। मेरी मां के लिए भी यह उनका पहला रियलिटी शो है। उर्वशी ढोलकिया ने अपने अनुभव के बारे में बताया, अपने बेटे के साथ 'मां है ना' करना मुझे बहुत ही असली और खास लगा, क्योंकि जिंदगी में ऐसा मौका अक्सर नहीं मिलता कि आप रुककर अपने बच्चे के साथ इतने सच्चे तरीके से समय बिता सकें। हम हंसे, हमारी आपस में थोड़ी-बहुत अनबन भी हुई। हमने साथ मिलकर खाना भी बनाया और इन सब के बीच हम एक-दूसरे से इस तरह से फिर से जुड़ पाए, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। मेरे लिए यही बिना बनावट वाले पल इस अनुभव को सच में खूबसूरत बनाते हैं। उन्होंने बताया, 'मां है ना' एक दिल को छू लेने वाला शो है, जो मशहूर मांओं और उनके बच्चों को एक साथ लाता है। यह शो बिना किसी स्क्रिप्ट के असली पलों को दिखाता है, जहां मां-बच्चे की जोड़ियां साथ मिलकर खाना बनाती हैं, बहस करती हैं, हंसती हैं और सच्ची व भावनात्मक बातचीत के ज़रिए एक-दूसरे से फिर से जुड़ती हैं।

# मां बनने के बाद अभिनेत्रियों को क्यों नहीं मिलता काम, रुबीना दिलैक ने बताई इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई

दुनिया का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो जहां महिलाएं पुरुष के साथ कदम से कदम मिलाकर न चल रही हों, मगर अभिनेत्री रुबीना दिलैक का मानना है कि महिलाओं के साथ भेदभाव बरकरार है। अभिनेत्री ने मां बनने के बाद अभिनेत्रियों को काम न मिलने की वजह पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पुरानी सोच अभी भी बनी हुई है, जिसकी वजह से नई माओं को प्रोजेक्ट्स से बाहर रखा जाता है। रुबीना दिलकै ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि मेकर्स को लगता है कि जिस अभिनेत्री ने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया है, उसमें अब पहले जितना स्टैमिना, जुनून और मेहनत करने की क्षमता नहीं रही। वे सोचते हैं कि ऐसा होने से प्रोजेक्ट को नुकसान हो सकता है। रुबीना ने कहा, ÷स्टडीज बताती हैं कि 62 प्रतिशत महिलाएं प्रेग्नेंसी के बाद काम पर वापस नहीं लौट पातीं क्योंकि समाज उन्हें स्वीकार नहीं करता। इंडस्ट्री भी उन्हें कमजोर समझती है। मेकर्स की सोच होती है कि अब उनके अंदर स्टैमिना नहीं बचा, आगे बढ़ने की चाहत नहीं रही, इसलिए वे खुद को साबित नहीं कर पाएंगी। ऐसे में उन्हें प्रोजेक्ट में रखना नुकसानदायक होगा। अभिनेत्री ने बताया कि समाज महिलाओं पर लगातार दबाव बनाए रखता है। उन्हें कभी भी पूरी आजादी नहीं मिलती कि वे अपनी मर्जी से जीवन जी सकें। हर समय उन्हें जज किया जाता है। कई महिलाएं इतनी मजबूत नहीं होतीं कि इस दबाव के बावजूद अपना आत्मविश्वास बनाए रख सकें। मां बनने के बाद रुबीना अपनी पर्सनल लाइफ के साथ प्रोफेशनल लाइफ को सफलतापूर्वक संभाल रहीं हैं। उन्होंने इसे दूसरी महिलाओं के लिए मिसाल बनाने का मौका बताया। रुबीना ने कहा, ÷मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे काम जारी रखने का मौका मिला है। अपनी इस यात्रा के जरिए मैं खुद को और दूसरी अभिनेत्रियों को यह दिखाना चाहती हूं कि मां बनने के बाद भी सारे दरवाजे बंद नहीं हो जाते। मैं उन सभी महिलाओं के लिए एक बेहतर रास्ता बनाना चाहती हूं जो इस डर में जी रही हैं। रुबीना जल्द ही रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में नजर आएंगी।

# मुख्यमंत्री के संकल्प को पूरा करने कलेक्ट्रेट से 42 अधिकारियों के साथ नान एसी बस में टिकुरी गांव पहुंचे कलेक्टर

» चौपाल के दौरान ही कार्रवाई सीमांकन कर में लापरवाही पर नायब तहसीलदार को नोटिस जारी कर मागास्पष्टीकरण

» आंगनवाड़ी सुपरवाइजर को कलेक्टर ने कियानिलंबित

साधना एक्सप्रेस रीवा

ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही त्वरित निराकरण करने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के मुख्यमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिए रीवा कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एक्शन मोड में हैं।कलेक्टर सूर्यवंशी कलेक्ट्रेट कार्यालय से स्वयं 42 विभागीय जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ एक नान एसी बस में सवार होकर गंगेव जनपद पंचायत के अंतर्गत टिकुरी गांव पहुंचे और वहां आयोजित ग्राम चौपाल में जनता की समस्याएं सुनीं। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर मौके पर ही सख्त कार्रवाई की गई।

### चौपाल में कलेक्टर द्वारा की गई प्रमुख कार्रवाई व निर्देश

समीक्षा के दौरान सीमांकन प्रकरणों में अत्यधिक विलंब पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित नायब तहसीलदार को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।आंगनवाड़ी केंद्र नियमित रूप से न खुलने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने सुपरवाइजर को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने तथा सीडीपीओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।पेयजल योजना के सुचारू रूप से संचालित न होने पर पीएचई के उपयंत्री तथा ग्राम रोजगार सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।सरपंच को योजना तत्काल प्रभाव से शुरू करने और जनपद सीईओ को इसकी निगरानी करने के निर्देश दिए गए।ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के दो ऐसे हितग्राही जिन्होंने स्वीकृति के बाद भी काम शुरू नहीं किया था उनका कार्य तत्काल निरस्त करने के निर्देश दिए गए ग्रामीणों के रास्ते के विवाद का मौके पर निराकरण कर सड़क चौड़ीकरण के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही विद्युत मंडल के अधिकारियों को घरों में तत्काल मीटर लगाने की कार्रवाई शुरू करने को कहा गया।जयप्रकाश रावत नामक ग्रामीण के लिए टंट्या मामा योजना के तहत तत्काल ऋण स्वीकृत करने की विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

### जन सुनवाई में अब इस गांव से शिकायत आई तो अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

चौपाल को संबोधित करते हुए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा मैं और पूरा प्रशासनिक अमला आपके द्वार पर आपकी समस्याओं के हल के लिए आया है।मुख्यमंत्री जी की स्पष्ट मंशा है कि ग्रामीणों को अपनी जायज मांगों के लिए भटकना न पड़े।अब टिकुरी गांव से जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए।यदि इसके बाद भी कोई शिकायत लंबित रहती है,तो सीधे जिला स्तरीय अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने ग्रामीणों से फार्मर रजिस्ट्री कराने और शासन की योजनाओं का खुलकर लाभ उठाने की अपील की।इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह सहित समस्त प्रमुख विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# देवतालाब में जनसेवा की मिसाल बने जयवीर सिंह सेंगर, जनता के बीच लगातार बनाए रखी मजबूत पकड़

साधना एक्सप्रेस रीवा

देवतालाब विधानसभा राजनीति में अक्सर देखा जाता है कि चुनाव हारने के बाद नेता जनता और क्षेत्र से दूरी बना लेते हैं, लेकिन देवतालाब विधानसभा में जयवीर सिंह सेंगर ने इस धारणा को गलत साबित किया है। दो बार चुनावी मैदान में उतरने के बावजूद हार मिलने के बाद भी उन्होंने कभी क्षेत्र और जनता का साथ नहीं छोड़ा। यही वजह है कि आज भी क्षेत्र में उन्हें एक जमीन से जुड़े जननेता के रूप में देखा जाता है।

बताया जाता है कि जयवीर सिंह सेंगर लगातार गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनते रहे हैं। देवतालाब विधानसभा का शायद ही कोई ऐसा गांव हो जहां उनका सहयोग न पहुंचा हो। कहीं मोटर पंप लगवाने में मदद की गई, तो कहीं ट्रांसफार्मर की व्यवस्था कराकर लोगों को राहत दिलाई गई। इतना ही नहीं, गरीब और जरूरतमंद परिवारों के सुख-दुख में भी वे हमेशा साथ खड़े नजर आए।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कई परिवारों के अंतिम संस्कार और अस्थि विसर्जन जैसे कठिन समय में भी जयवीर सिंह सेंगर ने मानवीय संवेदनाओं के साथ सहयोग किया। लोगों का मानना है कि यह केवल राजनीति नहीं, बल्कि जनसेवा की सच्ची भावना का उदाहरण है।

जनता के बीच सक्रिय रहकर उन्होंने हमेशा क्षेत्र के विकास और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी। सरकार किसी भी दल की रही हो, उन्होंने जनता की समस्याओं को उठाने और समाधान कराने का प्रयास जारी रखा। यही कारण है कि आज भी क्षेत्र में उनके व्यवहार, सहयोग और कार्यशैली की चर्चा होती है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एक वोट केवल नेता का चयन नहीं करता, बल्कि पूरे क्षेत्र के भविष्य को तय करता है। ऐसे में जनता को जाति, दिखावे और झूठे वादों से ऊपर उठकर ऐसे जनप्रतिनिधि का चयन करना चाहिए जो वास्तव में जमीन पर काम करता हो और हर परिस्थिति में लोगों के साथ खड़ा रहता हो।

जयवीर सिंह सेंगर ने वर्षों तक संघर्ष, मेहनत और जनसंपर्क के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई है। अब देवतालाब विधानसभा की जनता के सामने भविष्य को लेकर सही निर्णय लेने की चुनौती है। क्षेत्र में चर्चा है कि जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो विकास, जनसरोकार और सेवा की राजनीति को आगे बढ़ा सके।

# युवती के लापता होने के मामले को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

राजेश नीरस. विगत दिवस गाडरवारा में एक युवती के लापता होने के मामले को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का आक्रोश देखने को मिला। बड़ी संख्या में बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी और ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने गाडरवारा थाने का घेराव कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि 4 अप्रैल को कॉलेज के लिए निकली युवती अब तक घर नहीं लौटी है और उसे "लव जिहाद" का शिकार बनाया गया है।

मामले में बैरागढ़ निवासी अरशद खान उर्फ असहान खान पर संदेह जताया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस को जानकारी देने के बावजूद अब तक न तो युवती का पता लगाया जा सका है और न ही संबंधित युवक का नाम एफआईआर में जोड़ा गया है। पहले ज्ञापन देने के बाद कार्रवाई नहीं होने पर आज कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर थाने का घेराव किया और हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि पुलिस प्रशासन को पहले भी ज्ञापन देकर दो दिन का समय दिया था, लेकिन अभी तक युवती का कोई पता नहीं चल पाया है।

# ऊर्जा संसाधनो की बचत करते हुए भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे मनगवाँ

» इलेक्ट्रॉनिक कार से मनगवाँ पहुंचे भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का मण्डल अध्यक्ष ने किया भव्य स्वागत

साधना एक्सप्रेस रीवा* मनगवा

युवाओ से युवा संवाद करने हेतु भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष का मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, प्रवास के दौरान मनगवाँ मण्डल अध्यक्ष अखिल सोनी पृथ्वी के निवास माँ पार्वती सदन मे आगमन हुआ। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष ने अपने नेता प्रदेश अध्यक्ष का ढोल नगाड़े एवं

गजमाला तलवार व शिव भक्त श्याम टेलर जी को शंकर जी की सपरिवार प्रतिमा व शाल श्रीफल और पार्टी का अंग वस्त्र भेंट कर आत्मीय स्वागत किया

इस दौरान युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष योगेन्द्र ठाकुर प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रियंक जैन, प्रदेश मीडिया प्रभारी शोभित नाथ शर्मा, युवा मोर्चा रीवा जिलाध्यक्ष शिवेन्द्र शुक्ल ,जिलाध्यक्ष सतना सौभाग्य केसरी, जिला महामंत्री रीवा दीपनारायण पाण्डेय, पूर्व मण्डल अध्यक्ष भाजपा नामवर सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता जगजीवन तिवारी, नगर परिषद के पार्षद सुशील गुप्ता , बुढ़वा सरपंच रिकी पटेल , मण्डल उपाध्यक्ष युवा मोर्चा सनी प्यासी , मण्डल मंत्री भाजपा यादवेन्द्र गोस्वामी, प्रिंस मिश्रा, सौरभ तिवारी ,गोलू पण्डित, मुन्नी लाल कोल, साहिल सेन, रोहित सोनी, अंकित शानू सिंह, आयुष्मान सिंह ,सचिन गुप्ता ,सौरभ सिंह सहित युवा मोर्चा मनगवाँ के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

# नव प्रयास फाऊण्डेशन कर रहा निरंतर जल संरक्षण अभियान का क्रियान्वयन

साधना एक्सप्रेस करेली

..नगर के नव प्रयास फाउंडेशन करेली के द्वारा निरन्तर जल संरक्षण का संकल्प अभियान चलाया जा रहा है जिसमें जल बचाओ के साथ बारिश के जल को संचय करने की वाटर हार्वेस्टिंग के द्वारा इसे संचित कर धरती में पहुंचाएं जिससे भूजल स्तर बढ़ेगा, रिचार्ज फिट , छत के पानी का संचय , शौकता के द्वारा निरन्तर प्रयास फाउंडेशन के द्वारा किया जा रहा है।

नव प्रयास फाऊण्डेशन द्वारा पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी,नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार, भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, थाना प्रभारी रत्नाकर हिंग्वे, पूर्व नपाध्यक्ष राजेन्द्र रघुवंशी, युवा व्यवसायी आदर्श कोहली को भी संस्था के द्वारा किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया गया है। फाउंडेशन के द्वारा पंछी को जल के लिए जल पात्र वितरित किए जा रहे हैं साथ ही सभी पंछिओ के लिए जल दाना के आह्वान किया जा रहा है लोगो द्वारा इस भीषण गर्मी में जल पात्र रखने की महती आवश्यकता है , निरन्तर गिरते जल स्तर से चिंता व संकट सामने न करने पड़े, दुनिया में एक परसेंट ही पानी पीने योग है बाकी समुद्री पानी है जल संकट की स्थिति न बने , इसलिए हम सबको आज प्रयास करते रहना है, वर्षा जल को रोके भविष्य के लिए जल सुरक्षित करें,

फाउंडेशन के द्वारा निरन्तर स्टीकर, पंपलेट,जल पात्र,जल संरक्षण का संकल्प भी दिलाया जा रहा है,नगर के विभिन्न सामाजिक जनो जन प्रतिनिधि , पत्रकार, समाज सेवी, के द्वारा भी अपील कराई जा रही है।

# सीतापुर शराब दुकान पर ओवररेटिंग के आरोप, कार्रवाई की मांग तेज

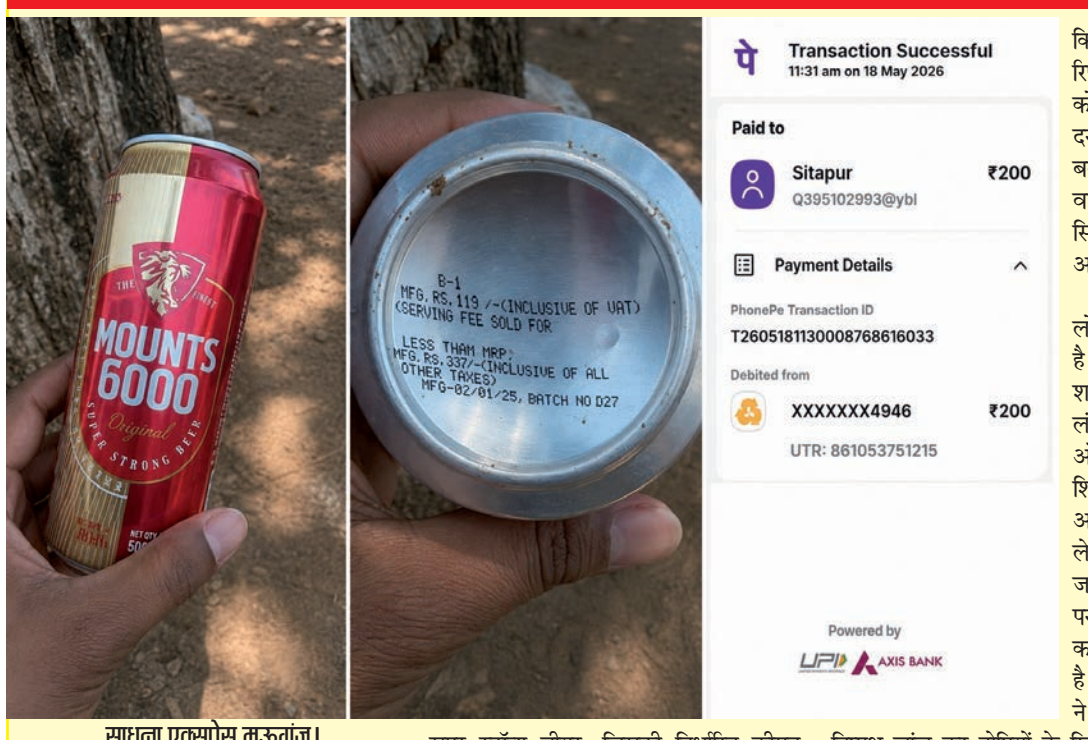


साधना एक्सप्रेस मऊगंज।

जिले के सीतापुर क्षेत्र स्थित शराब दुकान पर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों एवं उपभोक्ताओं का कहना है कि दुकान में ग्राहकों से मनमाने दाम वसूले जा रहे हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। मामले को लेकर क्षेत्र में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

जानकारी के अनुसार, "माउंट्स 6000" सुपर स्ट्रॉन्ग बीयर, जिसकी निर्धारित कीमत 119 रुपये बताई जा रही है, उसे कथित तौर पर 200 रुपये में बेचा गया। उपभोक्ताओं का दावा है कि 18 मई 2026 को किए गए एक डिजिटल ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड भी उनके पास मौजूद है, जिसे वे ओवररेटिंग का प्रमाण बता रहे हैं।

ग्रामीण आशीष गुप्ता ने इस संबंध में सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि शिकायत का निराकरण बिना जमीनी जांच के कर दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि विभाग ने रिपोर्ट में बिक्री को निर्धारित दर पर होना बताया, जबकि वास्तविक स्थिति इससे अलग है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीतापुर शराब दुकान में लंबे समय से ओवररेटिंग की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन हर बार जांच के नाम पर मामला शांत कर दिया जाता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मामले को लेकर आबकारी विभाग के अधिकारियों का पक्ष सामने नहीं आ सका है। हालांकि नागरिकों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्च स्तर पर शिकायत करेंगे।

अब निगाहें जिला प्रशासन और आबकारी विभाग पर टिकी हैं कि मामले में जांच कर क्या कदम उठाए जाते हैं।

# जहाँ सड़क मिलती है ज़िम्मेदारी से, DBCPL की प्रतिज्ञा — हर सफ़र, हर जीवन सुरक्षित

साधना एक्सप्रेस भोपाल

देवास–भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मध्य प्रदेश में सड़क सुरक्षा का एक संवेदनशील और सशक्त अभियान

इस सड़क पर हर जीवन अनमोल है

भारत की सड़कें केवल वाहन नहीं ढोतीं वे सपने, रोज़गार और परिवार को भी एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाती हैं। लेकिन हर साल हज़ारों परिवार इन्हीं सड़कों पर अपने प्रियजनों को खो देते हैं। DBCPL का मानना है कि सड़क बनाना केवल निर्माण कार्य नहीं यह एक ज़िम्मेदारी है कि इस सड़क पर चलने वाला हर इंसान घर तक सुरक्षित पहुँचे।

इसी सोच के साथ, DBCPL ने अपनी सामाजिक संस्था वर्टिस फाउंडेशन के माध्यम से देवास–भोपाल कॉरिडोर पर एक व्यापक और सतत सड़क सुरक्षा अभियान की शुरुआत की है। यह कोई एक दिन का कार्यक्रम नहीं यह उन लाखों लोगों के प्रति एक जीवंत वचन है जो प्रतिदिन इस मार्ग पर अपनी यात्रा करते हैं।

**टोल प्लाज़ा पर देखभाल — जब सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो**

मध्य प्रदेश की जलती धूप में लंबे सफ़र पर निकले बाइकर, ट्रक चालक और आम यात्री इनकी थकान और परेशानी को DBCPL की CSR टीम ने महसूस किया। टोल प्लाज़ाओं पर पहुँचकर टीम ने यात्रियों को स्वास्थ्य सहयोग प्रदान किया और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

यह छोटी सी पहल एक बड़ा संदेश देती है कि इस सड़क को बनाने वाली कंपनी आपकी सुरक्षा और सेहत की भी परवाह करती है। जब कोई चालक सुरक्षित और तरोताज़ा होता है, तो वह सड़क पर सबके लिए सुरक्षित होता है।

**टेक ट्रक— ज्ञान लेकर गाँव-गाँव** - सड़क सुरक्षा की असली शुरुआत होती है



जागरूकता से घर में, स्कूल में, चौपाल पर। DBCPL ने पीपल ट्री फाउंडेशन के सहयोग से एक अनोखी पहल की है टेक ट्रक', जो सीधे गाँवों और चौराहों तक जाकर लोगों को सड़क सुरक्षा की शिक्षा देता है।

ग्राम पंचायतों, जंक्शनों और सामुदायिक स्थलों पर आयोजित इन कार्यक्रमों में ग्रामीणों को यातायात नियमों, हेलमेट और सीटबेल्ट के महत्व, ओवरस्पीडिंग के खतरों और जीवन की अमूल्यता के बारे में बताया जाता है। बच्चे, बुजुर्ग और युवा सभी इस संदेश को अपनाते हैं कि सुरक्षित सड़क सबकी साझा ज़िम्मेदारी है।

इस पहल का असर ज़मीन पर दिख रहा है। सीहोर जिले के कई ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में दुर्घटनाओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। साथ ही, सोलर ब्लिंकर, सड़क संकेतक, अनुप्रस्थ चिह्न, स्पीड ब्रेकर और मध्यस्थ पट्टी की सफाई जैसे भौतिक सुधार भी किए गए हैं।

प्रोजेक्ट निरामय — राजमार्ग के योद्धाओं का स्वास्थ्य

वे रात भर जागकर चलाते हैं ताकि सुबह तक माल अपनी मंज़िल पर पहुँच जाए। ट्रक चालक देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, अपनी सेहत को अनदेखा करते हुए लंबे सफ़र पर निकलते हैं। थकी हुई आँखें, अनियंत्रित रक्तचाप, घंटों की थकान ये केवल उनके स्वास्थ्य की समस्याएँ नहीं, ये सड़क पर दुर्घटना के कारण भी हैं।

DBCPL का प्रोजेक्ट निरामय इन्हीं चालकों के लिए है। इस अभियान के तहत DBCPL की चिकित्सा टीम ढाबों और विश्राम स्थलों पर जाकर ट्रक चालकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करती है निःशुल्क नेत्र परीक्षण, चश्मे, दवाइयाँ, सामान्य स्वास्थ्य जाँच और तत्काल चिकित्सा परामर्श।

एक स्वस्थ चालक ही एक सुरक्षित चालक है। जब एक ट्रक चालक की धुंधली दृष्टि सही हो जाती है, तो वह सड़क संकेत पढ़ सकता है, समय पर ब्रेक लगा सकता है और शायद एक बड़ी दुर्घटना टल जाती है।

**DBCPL का संकल्प — सुरक्षित सड़क, सुरक्षित कल**

देवास–भोपाल कॉरिडोर पर DBCPL ने एक नई मिसाल कायम की है एक ऐसी मिसाल जहाँ राजमार्ग केवल यातायात के लिए नहीं, बल्कि इंसानियत के लिए बनाए जाते हैं। टोल प्लाज़ा पर सेवा, टेक ट्रक से जागरूकता, प्रोजेक्ट निरामय से स्वास्थ्य हर पहल में एक ही भावना है: आपकी जान हमारी प्राथमिकता है।

DBCPL और वर्टिस फाउंडेशन समाज के हर वर्ग को इस अभियान से जुड़ने का आमंत्रण देते हैं। क्योंकि सुरक्षित सड़कें केवल सरकार या कंपनी नहीं बनाती उन्हें बनाता है एक जागरूक और जिम्मेदार समाज।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा । )| RNI NO. MPHIN/2022/84698